शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 220 | गुवाहाटी | मंगलवार, 17 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नया टैरिफ स्टिक्कर के बाद ही इंडिया यूएस ट्रेड डील पर लगेगी मुहर पेज 2
डॉ. शर्मा ने असम के सामाजिक ताने-बाने को फिर से बुना : भाजपा पेज 3
कैग ने पंजाब विस में रखी रिपोर्ट में बताया राज्य की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी पेज 5
एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करेगी : पीटी उषा पेज 7

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम चुनाव : नामांकन 23 तक, 7 अप्रैल को समाप्त होगा चुनाव प्रचार

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा के साथ, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने सोमवार को नामांकन प्रक्रिया और चुनावी प्रक्रिया से संबंधित प्रमुख समय-सीमाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। जनता भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि उम्मीदवार सोमवार से 23 मार्च तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी नामांकन जिला आयुक्तों के कार्यालयों में प्राप्त किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च को होगी, जबकि नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 26 मार्च है। जांच और वापसी के बाद, मतपत्रों को अंतिम रूप दिया जाएगा और ईवीएम मतदान इकाइयों में उपयोग के लिए सुरक्षित सरकारी मुद्रण प्रेस में उनकी छपाई की जाएगी। सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजे गए डाक मतपत्र 27 मार्च को दोपहर 3 बजे तक भेज दिए जाएंगे, गोयल ने आगे कहा। उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव प्रचार 7 अप्रैल तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार 7 अप्रैल को शाम 5 बजे समाप्त हो जाएगा क्योंकि मतदान 9 अप्रैल को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार बंद हो जाता है। पुनर्मतदान की संभावना के संबंध में गोयल ने कहा कि ऐसा कोई भी निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा परिस्थितियों के आधार पर लिया जाएगा। उन्होंने राज्य के मतदाताओं के नवीनतम आंकड़े भी साझा किए। गोयल के अनुसार, 10 फरवरी को जब मतदाता सूची प्रकाशित हुई थी, तब मतदाताओं की संख्या 2,49,58,239 थी। -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव : असम में लगभग 50% मतदाता महिलाएं

गुवाहाटी। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने सोमवार को बताया कि राज्य के 25 लाख मतदाताओं में से लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं हैं। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने सोमवार (16 मार्च, 2026) को बताया कि राज्य के 25 लाख मतदाताओं में से लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं हैं। गोयल ने बताया कि 9 अप्रैल को होने वाले एकल चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार (16 मार्च, 2026) से शुरू हो गई है और यह 23 मार्च तक जारी रहेगी। गोयल ने पत्रकारों को बताया कि 10 फरवरी को प्रकाशित मतदाताओं की अंतिम सूची में शामिल 2.49 करोड़ मतदाताओं में 1.64 लाख मतदाता और जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि तक हम सूची को अपडेट करते रहेंगे। अब तक पंजीकृत 2,50,21,413 मतदाताओं में से 1,25,04,501 महिलाएं हैं, जो कुल मतदाताओं का 49.97 प्रतिशत हैं। इस सूची में 321 तृतीय लिंग के मतदाता भी शामिल हैं। भारत निर्वाचन आयोग (ईसी) के अनुसार, असम में 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 6,28,093 मतदाता पहली बार मतदान कर रहे हैं, जबकि 2,482 मतदाता 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं। चुनाव आयोग ने 126 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए राज्य भर में 31,486 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। इनमें से 3,716 केंद्रों का प्रबंधन महिलाओं द्वारा और 23 केंद्रों का -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।

- आचार्य चाणक्य

ओडिशा में भीषण तूफान, दो लोगों की मौत, दौ से अधिक घर क्षतिग्रस्त

भुवनेश्वर। ओडिशा के मयूरभंज जिले में रविवार को आए भीषण तूफान ने कहर बरपाया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और 200 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, तूफान की चपेट में आने से जिले के 12 गांवों में भारी नुकसान हुआ। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। उन्होंने बताया कि नेशनल हाईवे (एनएच) 220 पर आए बवंडर में पी नाइक (54) और मालती महंत (45) की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को क्योंझर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इसके अलावा, लगभग 40 अन्य लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग सहित स्थानीय प्रशासन गांवों की ओर रवाना हुआ और बचाव व पुनर्निर्माण कार्यों की निगरानी शुरू कर दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के परिवारों को सरकार नियमों के अनुसार चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बिजली गिरने, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए मयूरभंज -शेष पृष्ठ दो पर

निष्पक्ष चुनाव की तैयारी! असम में पांच नए एसएसपी तैनात

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पांच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) की विभिन्न राज्यों में तैनाती की घोषणा की। आयोग ने निर्देश दिया कि ये नियुक्तियां तत्काल लागू की जाएं और अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने संबंधी अनुपालन रिपोर्ट 17 मार्च को प्रस्तुत की जाए। चुनाव आयोग ने असम के -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने दतिया में बगलामुखी मंदिर में पूजा की

दतिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को मध्य प्रदेश के दतिया स्थित प्रसिद्ध बगलामुखी मंदिर में पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद मांगा। दतिया पहुंचने पर शर्मा का स्वागत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया, जिन्होंने उन्हें माला पहनाकर अभिनंदन किया। इसके बाद उन्होंने पीतांबरा पीठ स्थित बगलामुखी देवी मंदिर का दौरा किया, जहां उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अनुष्ठान किए और प्रार्थना की। अपनी यात्रा के दौरान, असम के मुख्यमंत्री प्राचीन वनखंडेश्वर महादेव मंदिर भी गए, जहां उन्होंने पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक -शेष पृष्ठ दो पर

कोकराझार में धारा 163 बीएनएसएस के तहत निषेधाज्ञा लागू

कोकराझार (हि.स.)। असम विधानसभा चुनाव 2026 को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कोकराझार जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। जिला मजिस्ट्रेट पंकज चक्रवर्ती ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत पूरे कोकराझार जिले में निषेधाज्ञा जारी कर दी है। जारी आदेश के अनुसार चुनाव अवधि के दौरान बिना अनुमति पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों तथा अतिथि गृहों के परिसर का चुनाव प्रचार के लिए बिना अनुमति उपयोग करने पर भी रोक लगाई गई है। प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार आग्नेयास्त्र, विस्फोटक पदार्थ, ज्वलनशील सामग्री तथा किसी भी प्रकार के ऐसे हथियार को साथ लेकर चलना, जिससे व्यक्ति या संपत्ति को नुकसान पहुंच सकता हो, पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा सार्वजनिक या निजी स्थानों पर पटाखे फोड़ने तथा आतिशबाजी करने पर भी रोक -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस चुनाव से पहले भाजपा और यूपीपीएल के संबंधों में तनाव

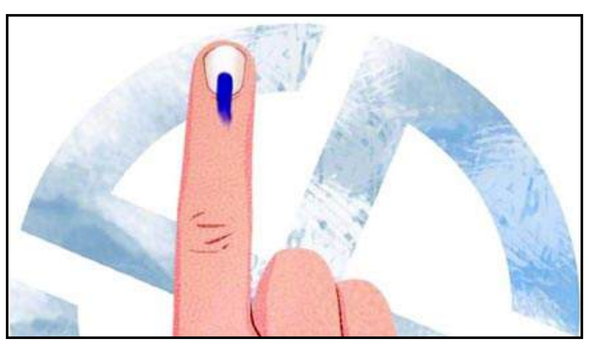

गुवाहाटी। चुनाव वाले असम में भाजपा और क्षेत्रीय यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के बीच गठबंधन में तनाव पैदा होता दिख रहा है। इसका पहला संकेत तब मिला जब भाजपा ने बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) की सभी 15 सीटों के लिए अपना गठबंधन अंतिम रूप दिया। ऐसा प्रतीत हुआ कि भाजपा ने यूपीपीएल को दरकिनार करते हुए, यूपीपीएल के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के साथ सीट-बंटवारे का समझौता कर लिया था। 9 मार्च को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मीडिया को बताया था कि बीपीएफ 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और भाजपा शेष चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बीपीएफ को 11 सीटें इसलिए दी गई हैं क्योंकि यह बीटीआर में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। अगर यूपीपीएल गठबंधन करने का फैसला करती है, तो उसे 11 सीटों पर बीपीएफ के साथ गठबंधन करना होगा, न कि हमारे (भाजपा) साथ। चूंकि हम केवल चार सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिए यूपीपीएल के साथ सीट बंटवारे के समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है, शर्मा ने कहा था। उसी दिन बाद में, यूपीपीएल अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए और -शेष पृष्ठ दो पर

असम के अगले सीएम होंगे गौरव गोगोई कांग्रेस का दावा

गुवाहाटी। झारखंड की मंत्री और कांग्रेस विधायक दीपिका पांडे सिंह ने सोमवार को असम में आगामी विधानसभा चुनावों में एक बड़े राजनीतिक बदलाव की आशंका जताई। मीडिया से बात करते हुए सिंह ने दावा किया कि असम की जनता मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा के प्रशासन से लंबे समय से असंतुष्ट है और अब बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भविष्य में वहां आम जनता की सरकार बनेगी। गौरव गोगोई वहां के मुख्यमंत्री होंगे। एक दिन पहले, चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि असम में सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव 9 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे और मतगणना 4 मई को होगी। इस घोषणा के बाद, सभी मतदान क्षेत्रों में आचार संहिता (एमसीसी) तत्काल प्रभाव से लागू हो गई। असम में 126 सीटों वाली विधानसभा के लिए भाजपा के नेतृत्व -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार राज्यसभा चुनाव में एनडीए का क्लीन स्वीप, 5वीं सीट पर ऐसे मारी बाजी

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में बिहार की राजनीति में बड़ा खेला हो गया है। एनडीए ने 5-0 से जीत दर्ज कर ली है। राज्यसभा चुनावों में एनडीए को पांचवीं सीट जीतने के लिए 3 विधायकों की जरूरत थी। उसकी इस जरूरत के बीच महागठबंधन के 4 विधायक मतदान में अनुपस्थित रहे। महागठबंधन को जीत के लिए 6 विधायकों की जरूरत थी। तेजस्वी यादव ने एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक के रूप में इसका जुगाड भी कर लिया था लेकिन राजद का एक और कांग्रेस के तीन विधायक ही नदारद हो गए। इन चारों विधायकों के वोट नहीं डालने से ही राज्यसभा चुनाव का परिणाम एनडीए के पक्ष में चल गया। पांचवीं सीट भी एनडीए के खाते में चली गई। जो विधायक वोट देने नहीं पहुंचे उनमें वाल्मिकीनगर से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र कुशवाहा, फारबिसगंज के कांग्रेस विधायक मनोज विश्वास, मनिहारी से कांग्रेस विधायक मनोहर सिंह -शेष पृष्ठ दो पर

केरल चुनाव 2026 : भाजपा की पहली लिस्ट जारी, नेमम से ताल ठोकेंगे राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी केरल विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें राज्य चुनावों के लिए 47 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इस घोषणा के साथ ही केरल में भाजपा की चुनावी तैयारियों की शुरुआत हो गई है, क्योंकि राजनीतिक दल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रहे हैं। नेमम सीट से राजीव चंद्रशेखर मैदान में होंगे। भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग ने केरल, पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को असम, केरल एवं पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव और गोवा, कर्नाटक, नगालैंड एवं त्रिपुरा की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी। इसी के साथ इन क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी। चुनाव आयोग ने बतया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और मुख्य चुनाव अधिकारियों को आचार संहिता (एमसीसी) तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं। एमसीसी संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्र सरकार पर भी लागू होगा। आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्ति से चुनावी डिफेसमेंट हटाने, सरकारी गाड़ी या घर का गलत इस्तेमाल रोकने और सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने नागरिकों की निजता का रोकने के लिए आम लोगों के घरों के बाहर कोई प्रदर्शन या धरना देने पर रोक लगाई है। और मालिक की सहमति के बिना जमीन, इमारत या दीवारों का इस्तेमाल झंडे, बैनर या पोस्टर के लिए इस्तेमाल करने पर भी रोक लगाई है। आयोग ने शिकायतों के लिए आयोग ने एक मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया है, -शेष पृष्ठ दो पर

विस चुनाव 2026 : ममता के खिलाफ लड़ेंगे शुभेंदु

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी पहली उम्मीदवार सूची सोमवार को जारी कर दी है। पार्टी ने पहले चरण में 144 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। इस सूची में अधिकांश वर्तमान विधायकों पर फिर से भरोसा जताया गया है, जबकि कुछ सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। खास बात ये है कि इस बार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष जिन्हें लंबे समय तक पार्टी ने दर किनार रखा था, उन्हें भी उनकी पुरानी सीट खड़गपुर सदर से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों महत्वपूर्ण सीटों से उम्मीदवार -शेष पृष्ठ दो पर

40 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर मुंद्रा पोर्ट पहुंचा शिवालिक

नई दिल्ली। लगभग 40,000 मीट्रिक टन द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस ले जा रहा भारतीय एलपीजी वाहक पोत *शिवालिक* सोमवार शाम गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा। यह पोत कल देर रात/आज तड़के होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजरने के बाद बंदरगाह पर पहुंचा। आज सुबह नई दिल्ली में पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि शिवालिक के माल की आज ही अनलोडिंग में कोई देरी न हो, इसके लिए बंदरगाह पर दस्तावेजीकरण और प्राथमिकता के आधार पर बर्थिंग की व्यवस्था कर दी गई है। जहाज मंत्रालय के अधिकारी ने आगे कहा कि एलपीजी ले जा रहा एक अन्य भारतीय पोत *नंदा देवी* कल पहुंचेगा। सिन्हा ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात से लगभग 81,000 टन मुरबान कच्चे तेल को लेकर रवाना हुआ भारतीय ध्वज वाला पोत *जग लाडकी* सुरक्षित रूप से भारत के रास्ते में है। अधिकारी ने कहा कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी एयर स्ट्राइक से दहला ईरान

चाबहार पोर्ट के पास सैन्य ठिकानों पर किया गया बड़ा हमला

वाशिंगटन। वॉयस ऑफ अमेरिका के हवाले से बताया गया है कि सोमवार को अमेरिका द्वारा किए गए नए हवाई हमलों के दौरान ईरान के चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र के पास भीषण विस्फोटों की आवाजें सुनाई दीं। खबरों के मुताबिक, हवाई हमलों में ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह पता नहीं चल पाया है कि इन हवाई हमलों में कोई हताहत हुआ है या नहीं। यह मुक्त व्यापार क्षेत्र ईरान के दक्षिण-पूर्वी सिस्तान और बलूचिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

नया टैरिफ स्ट्रक्चर के बाद ही इंडिया यूएस ट्रेड डील पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर तभी किए जाएंगे जब दोनों देशों के बीच नई टैरिफ व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका वर्तमान में समझौते के बारीक विवरणों पर चर्चा कर रहे हैं, जिससे संकेत मिलता है कि बातचीत अभी जारी है। अग्रवाल ने कहा कि हम इस समय अमेरिका के साथ विवरणों पर बातचीत कर रहे हैं और आगे कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वास्तविक हस्ताक्षर तभी किए जाएंगे जब नई टैरिफ व्यवस्था लागू हो जाएगी। ये टिप्पणियां तब आईं जब सरकार ने देश के नवीनतम व्यापार आंकड़े जारी किए, जिनसे पता चला कि फरवरी में भारत का माल निर्यात मामूली रूप से 0.81 प्रतिशत गिरकर 36.61 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। हालांकि, आयात में इस माह 24.11 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई और यह 63.71 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले के 51.33 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इसके परिणामस्वरूप, फरवरी में व्यापार घाटा बढ़कर 27.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। मासिक गिरावट के बावजूद, अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के अप्रैल-फरवरी अवधि के दौरान, देश का निर्यात 1.84 प्रतिशत बढ़कर 402.93 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इसी अवधि में आयात 8.53 प्रतिशत बढ़कर 713.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो मजबूत घरेलू मांग और आयात में वृद्धि को दर्शाता है। वाणिज्य सचिव ने आने वाले हफ्तों में निर्यात के लिए संभावित चुनौतियों का भी संकेत दिया, उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से संबंधित रसद संबंधी बाधाओं के कारण मार्च में निर्यात में गिरावट आ सकती है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद 28 फरवरी को शुरू हुए तनाव ने प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों को बाधित कर दिया है, विशेष रूप से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास, जिससे माल की आवाजाही और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है।

देश में 6जी तकनीक के मानकीकरण पर कल अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करेगा केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार 6जी विजन और 6जी तकनीक के मानकीकरण को लेकर 18 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करेगी। इसका उद्देश्य देश में 2030 तक 6जी तकनीक के डिजाइन, विकास और तैनाती में अग्रणी वैश्विक योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करना है। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि यहां विज्ञान भवन में दूरसंचार विभाग के तकनीकी इकाई संचार अभियंत्रिकी केंद्र (टीईसी) द्वारा आयोजित होने वाली इस कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे, जबकि विशेष संबोधन संचार राज्यमंत्री डॉ. पेम्मसानी चंद्रशेखर देंगे। इसमें दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संगठनों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के नेता, तकनीकी विशेषज्ञ और शोध समुदाय के सदस्य भाग लेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कई तकनीकी सत्र और विशेषज्ञ चर्चाएं होंगी, जिनमें 6जी मानकीकरण का वैश्विक रोडमैप, अगली पीढ़ी की नेटवर्क आर्किटेक्चर, भविष्य के मोबाइल नेटवर्क के लिए स्पेक्ट्रम योजना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का एकीकरण, सुरक्षा और भरोसे के ढांचे, रेडियो एक्सेस नेटवर्क (आरएएन) तकनीक में विकास, उभरते 6जी के प्रयोग और भारत का 2030 तक का रोडमैप शामिल होंगे। दूरसंचार विभाग ने बताया कि घरेलू नवाचार को मजबूत करना और वैश्विक दूरसंचार मानकीकरण में भारत की भूमिका को बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार (आईएमटी)-2030 और भविष्य की मोबाइल प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय चर्चाओं के बीच यह कार्यशाला भारत को वैश्विक दूरसंचार मानकों की रूपरेखा तय करने के लिए जरूरी है।

भाजपा उम्मीदवारों की सूची 18 को जारी होने की संभावना

गुवाहाटी (हिंस)। असम की सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं एनडीए उम्मीदवारों की सूची आगामी 18 मार्च को जारी होने की संभावना जतायी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए इस आशाय का खुलासा किया है। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने भी कुछ इसी तरह के संकेत दिये हैं। विधानसभा चुनाव 2026 की तिथि घोषित होने के बाद संभावित उम्मीदवार टिकट की आशा में खुलकर प्रचार अभियान भी नहीं चला पा रहे हैं। भाजपा सूत्रों के अनुसार एक ही दिन भाजपा समेत मित्र दलों के उम्मीदवारों के नाम भी घोषित किए जाएंगे। माना जा रहा है कि एक ही चरण में इस बार राज्य में चुनाव होने जा रहे हैं, ऐसे में राज्य की 126 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम भी बीते 18 मार्च को दिल्ली में होने वाली संसदीय कमेटी की बैठक के बाद शाम को घोषित किए जा सकते हैं।

कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने बाढ़ पूर्व तैयारी की समीक्षा

कोकराझाड़ (हिंस)। आगामी वर्षा ऋतु और संभावित बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियों की समीक्षा शुरू कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बाढ़ तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला आयुक्त ने सभी विभागों को प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सतर्क और सक्रिय रहने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संभावित संवेदनशील और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की पहचान कर समय रहते आवश्यक निवारक उपाय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि आपदा की स्थिति में नुकसान को कम किया जा सके। जिला आयुक्त ने सर्किल अधिकारियों को पिछले वर्षों के बाढ़ के आंकड़ों के आधार पर कमजोर गांवों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करने तथा आपातकालीन स्थिति में सेक्टर आधारित समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में राहत शिविरों की पहचान, प्रभावित लोगों और पशुधन के लिए ऊंचे प्लेटफार्म की व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इसके अलावा संबंधित विभागों को सड़क, तटबंध, बिजली आपूर्ति, खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य सेवाओं तथा पेयजल जैसी आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियां करने को कहा गया। जिला प्रशासन की ओर से निर्देश दिया गया कि वर्षा ऋतु से पहले आवश्यक सामग्रियों का पर्याप्त भंडारण किया जाए, मोबाइल चिकित्सा दलों का गठन किया जाए, कमजोर तटबंधों को मजबूत किया जाए तथा सड़कों, पुलों और कलवर्टों का समय रहते निरीक्षण कर मरम्मत कार्य पूरा किया जाए। बैठक के अंत में जिला आयुक्त ने अग्रिम तैयारी और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए सभी विभागों को मानसून से काफी पहले आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके और बाढ़ के दौरान जन-धन की हानि को रोका जा सके।

पार्टी में कोई बगावत नहीं कांग्रेस एकजुट : गौरव गोगोई

शोणितपुर (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव तिथि घोषणा के पूर्व कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी होने के बाद पार्टी में अंदरूनी मतभेद की खबरें सामने आने लगी हैं। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने रविवार को पार्टी के भीतर किसी भी तरह की बगावत की अटकलों से इनकार कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी असम के व्यापक हित में एकजुट है। बीती रात शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर पहुंचने के बाद मीडिया से बातचीत में गोगोई ने कहा कि पार्टी नेतृत्व को किसी भी वरिष्ठ नेता से इस्तीफे का कोई पत्र नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अंदरूनी चर्चाएं सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी वरिष्ठ कांग्रेस नेता से इस्तीफे का कोई पत्र नहीं मिला है। असम के हित में सभी को एकजुट रहना चाहिए। कांग्रेस के भीतर कोई बगावत नहीं है। असल में, उम्मीदवारों की सूची की घोषणा के बाद लोगों में उत्साह और भी बढ़ गया है। अंतिम सूची को लेकर पार्टी के भीतर अभी भी चर्चाएं चल रही हैं। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस की राज्य इकाई में असंतोष की उन खबरों के बीच आई है, जो पार्टी द्वारा आने वाले चुनावों के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची की घोषणा के बाद सामने आई थीं। इस घटनाक्रम ने तब ज्यादा सुर्खियां बटोरीं, जब वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्राणेश्वर बसुमतारी ने सूची सार्वजनिक होने के तुरंत बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया, जिससे पार्टी के भीतर अशांति की अटकलों को और हवा मिली। तेजपुर की यात्रा के दौरान, गोगोई ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से मुलाकात की जो बड़ी संख्या में उनका स्वागत करने के लिए जमा हुए थे।

पृष्ठ एक का शेष

असम चुनाव : नामांकन 23 ...

उन्होंने कहा कि लगातार अपडेट करने के बाद, 15 मार्च तक मतदाताओं की संख्या बढ़कर 2,50,21,413 हो गई है। इस अवधि के दौरान लगभग 64,000 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई है, जिसमें लगभग 1,64,000 नए मतदाता शामिल हुए हैं और लगभग एक लाख मतदाता हटाए गए हैं। असम में 9 अप्रैल को चुनाव होंगे, उसी दिन केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी चुनाव होंगे। रविवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद, राज्य में आचार संहिता (एमसीसी) तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है, जो नई नीतिगत घोषणाओं और चुनाव प्रचार के उद्देश्यों के लिए आधिकारिक मशीनरी के उपयोग को प्रतिबंधित करती है।

विस चुनाव : असम में ...

प्रबंधन दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा, जबकि 126 केंद्रों को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में नामित किया गया है। बांग्लादेश की सीमा से लगे पश्चिमी असम के मनकाचर निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या सबसे अधिक (402) है, जबकि पश्चिमी असम में ही स्थित डोटोमा में सबसे कम (146) मतदान केंद्र हैं। उत्तर-मध्य असम के दलगांव निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक मतदाता (3,17,110) हैं, जबकि मध्य असम के अमरी में सबसे कम 1,00,494 मतदाता हैं। गोयल ने कहा कि सुचारू और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में सुरक्षा बलों की लगभग 200 कंपनियां तैनात की जाएंगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य की सभी 134 चौकियों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

निष्पक्ष चुनाव की ...

मुख्य सचिव को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि सोमलिन शुभदर्शनी (आईपीएस) को माजुली में एसएसपी, आर शीतल कुमार (आईपीएस) को दक्षिण सालमारा में एसएसपी, आंचाल चौहान (आईपीएस) को सादिया में एसएसपी, सुधाकर सिंह (आईपीएस) को चिरांग में एसएसपी और मोहन लाल मीना (आईपीएस-2016) को धेमाजी में एसएसपी के पद पर तैनात किया जाए। पत्र में आगे कहा गया है कि स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव संपन्न होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, एक अलग अधिसूचना में, चुनाव आयोग ने (सेवानिवृत्त) आईएएस अधिकारी मनजीत सिंह को असम चुनावों के लिए अपना विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पत्र में लिखा था कि आपको असम विधानसभा चुनावों, 2026 की तैयारियों और संचालन का निरीक्षण करने के लिए समय-समय पर असम का दौरा करना होगा और आयोग को आवश्यक कार्रवाई के लिए अपने सुझाव देने होंगे। मनजीत सिंह के कर्तव्यों का निर्वहन असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समन्वय से किया जाएगा, जो सभी आवश्यक सामग्री, सुविधाएं और प्रोटोकॉल सहायता प्रदान करेंगे। पत्र के अनुसार, चुनाव कार्यक्रम और विधानसभा क्षेत्रों की सूची संदर्भ के लिए संलग्न की गई थी। इस बीच, सर्वोच्च चुनाव आयोग ने छह राज्यों में आम चुनावों और उपचुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता के कड़ाई से पालन के निर्देश जारी किए। एक प्रेस विज्ञप्ति में, चुनाव आयोग ने लिखा कि इस घोषणा के साथ, चुनाव आयोग ने संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आचार संहिता (एमसीसी) को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। एमसीसी संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्र सरकार द्वारा की जाने वाली घोषणाओं/नीतिगत निर्णयों पर भी लागू होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने ...

किया। मीडिया से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा चुनावों के लिए तैयार रहती है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी जनता से जुड़ी रहती है और सरकारी योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने के लिए निरंतर काम करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा असम में एक बार फिर सरकार बनाएगी और कहा कि आगामी चुनावों में पश्चिम बंगाल में भी पार्टी का झंडा ऊंचा लहराएगा। इससे पहले, 14 मार्च को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कछार, हैलाकांदी और श्रीभूमि जिलों के लोगों के लिए लगभग 340 करोड़ रुपए की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था।

कोकराझार में धारा 163 ...

लगाई गई है, ताकि शांति एवं कानून-व्यवस्था बनी रहे। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की जनसभा, रैली या जुलूस आयोजित नहीं किया जा सकेगा। साथ ही भड़काऊ या सांप्रदायिक भाषण देना, राष्ट्रविरोधी या राज्यविरोधी नारे लगाना, पोस्टर, बैनर और दीवार लेखन के माध्यम से सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने वाले संदेश फैलाना भी प्रतिबंधित रहेगा। चुनाव अवधि के दौरान बिना अनुमति सार्वजनिक भोज या पार्टी आयोजित करना, मतदाताओं को शराब, नशीले पदार्थ, नकद धनराशि या अन्य किसी प्रकार के प्रलोभन देना भी सख्त रूप से वर्जित किया गया है। हालांकि, आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस, अर्धसैनिक बलों तथा अन्य अधिकृत कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सदस्यों पर हथियार रखने संबंधी यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा। जिला प्रशासन के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और चुनाव अवधि के दौरान पूरे कोकराझार जिले में प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

असम विस चुनाव से ...

उन्होंने मीडिया को बताया कि वे यूपीपीएल के आधिकारिक घोषित उम्मीदवार थे और कोई अन्य नहीं। 10 मार्च को भाजपा के असम अध्यक्ष दिलीप सैकिया को लिखे एक पत्र में, यूपीपीएल ने विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में अपनी स्थिति के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था। असम में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों, विशेष रूप से भाजपा के विभिन्न नेताओं द्वारा मीडिया में दिए गए बयानों को देखते हुए, यूपीपीएल की कोर कमेटी ने आगामी असम विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए गठबंधन में औपचारिक दर्जा प्राप्त करने का निर्णय लिया है। इसलिए, हम आपसे निवेदन करते हैं कि एनडीए गठबंधन में यूपीपीएल की स्थिति के बारे में हमें औपचारिक रूप से सूचित करें... यूपीपीएल के पत्र में यह लिखा था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। हालांकि, यूपीपीएल ने बीटीआर की सभी 15 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। जानकारों के मुताबिक, भाजपा को अपने गढ़, ऊपरी असम में चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जहां 25 सीटें हैं। बीटीआर की 15 सीटें एनडीए के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर साफ नजर आ रही है। भाजपा 2016 से इस राज्य में सत्ता में है। विपक्षी दलों का बीटीआर में कोई ठोस आधार नहीं है, जिसमें कोकराझार, चिरांग, बाक्सा, तामुलपुर और उदालगुड़ी के पांच जिले शामिल हैं, और जिसका प्रशासन स्वायत्त बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) द्वारा किया जाता है। भाजपा-यूपीपीएल गठबंधन ने पिछले साल के अंत तक बीटीसी पर शासन किया था, लेकिन पुनर्जीवित बीपीएफ ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया, जिसने परिषद की 40 सीटों में से 28 सीटें जीतीं। यूपीपीएल और भाजपा को क्रमश: सात और पांच सीटें मिलीं। विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने शेष होने के कारण, भाजपा ने बीपीएफ के साथ अपने गठबंधन को फिर से सक्रिय करने में जरा भी समय नहीं गंवाया। बीपीएफ के एक विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया, और बीपीएफ ने भी भाजपा के दो विधायकों को बीटीसी में कार्यकारी सदस्य नियुक्त करके एहसान चुकाया। असम गण परिषद (एजीपी) बीटीआर के अलावा भाजपा की एक और प्रमुख सहयोगी पार्टी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा-एजीपी के सीट बंटवारे के समझौते को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार है।

बिहार राज्यसभा चुनाव में ...

और ढाका से राजद विधायक फैजल रहमान शामिल हैं। राजद नेताओं ने आरोप लगाया कि उनके विधायकों को खरीद लिया गया, उन्हें अगवा कर लिया गया। इस चुनाव में नीतीश कुमार को प्रथम वरीयता के 44 वोट प्राप्त हुए। नितिन नबीन को भी 44, जबकि उपेंद्र कुशवाहा को 42 और रामनाथ ठाकुर को भी 42 वोट मिले। जबकि महागठबंधन के उम्मीदवार एडी सिंह को 37 वोट मिले। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने दावा किया कि एडीए के सभी 202 विधायकों ने वोट डाला। जबकि विपक्षी महागठबंधन के 4 विधायकों ने मतदान नहीं किया। गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनावी मुकाबले में उतरा और सभी विधायकों ने एकजुटता दिखाई। हमारे गठबंधन ने अपनी एकता और रणनीतिक मजबूती का प्रदर्शन किया है। इस चुनाव के बीच मोकामा विधायक अनंत सिंह ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा, अगर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहे तो मैं अगला चुनाव नहीं लड़ूंगा। मेरे बच्चे चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि अनंत सिंह को पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले दुलार चंद यादव की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अनंत को अब तक जमानत नहीं मिल सकी है। हालांकि, उन्हें पैरोल पर वोट डालने की अनुमति मिली थी।

चुनाव आयोग ने केरल....

जिसमें 1950 कॉल सेंटर नंबर का प्रयोग किया जाएगा। इसके जरिए आम नागरिक या राजनीतिक दल संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी या रिटर्निंग ऑफिसर के पास शिकायत दर्ज करा पाएंगे। इसके अलावा नागरिक और राजनीतिक दल सी-विजिल ऐप का इस्तेमाल करके एमसीसी उल्लंघन की रिपोर्ट भी कर सकते हैं। शिकायतों पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड और 5200 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीम तैनात की गई हैं। आयोग ने बताया कि राजनीतिक दलों को मीटिंग और जुलूस से पहले पुलिस अधिकारियों को सूचित करना होगा ताकि ट्रैफिक और सुरक्षा का इंतजाम किया जा सके। लाउडस्पीकर और अन्य सुविधाओं के लिए जरूरी अनुमति लेना अनिवार्य होगा। मंत्री चुनाव प्रचार के साथ आधिकारिक काम नहीं करेंगे और न ही सरकारी मशीनरी, परिवहन या लोगों का इस्तेमाल करेंगे। सभी स्तर के अधिकारियों को एमसीसी लागू करने, सभी दलों के साथ समान व्यवहार करने और आधिकारिक सुविधाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए बिना भेदभाव काम करने का निर्देश दिया गया है। उन्हें मीटिंग, जुलूस और मतदान इंतजाम को सही तरीके से रेगुलेट करना होगा, कानून-व्यवस्था बनाए रखनी होगी और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही आयोग ने सुविदा मॉड्यूल (चुनाव प्रचार के दौरान मैदान, हेलीपैड जैसी सार्वजनिक जगहों के इस्तेमाल के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए बनाया गया डिजिटल प्लेटफॉर्म) को सक्रिय कर दिया है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनावों की तिथियां घोषित की थीं। इसके तहत 9 अप्रैल को असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होंगे, साथ ही गोवा (पोंडा), कर्नाटक (बागलकोट, दावणगेरे साउथ), नगालैंड (कोरिडांग) और त्रिपुरा (धर्मनगर) की सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। इसके बाद 23 अप्रैल को तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव और पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान होगा, इसी दिन गुजरात (उमरेठ) और महाराष्ट्र (राहुरी, बारामती) की सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। फिर 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान होगा। 4 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे।

असम के अगले सीएम...

वाली एनडीए सरकार और कांग्रेस के बीच मुकाबला होगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश करेगी, जबकि कांग्रेस सत्ताधारी दल को हराकर वापसी करने का लक्ष्य रखेगी। 2021 के चुनावों में, भाजपा, एजीपी और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) से मिलकर बने एनडीए गठबंधन ने 75 सीटें जीतीं। भाजपा 60 सीटों के साथ गठबंधन में सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी है। 2021 में 2.2 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाताओं में मतदान प्रतिशत 86.2 प्रतिशत रहा। आज चल रहे राज्यसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, झारखंड की मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ये चुनाव देश के लोकतांत्रिक हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस को भी राज्यसभा चुनाव लड़ने का अधिकार है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे सभी उम्मीदवार जीतेंगे। 10 राज्यों की 37 सीटों को भरने के लिए द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव आज से शुरू हो गए हैं, और मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे होगी। महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से चुने गए 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो जाएगा, जिससे नए सदस्यों के चुनाव के लिए सीटें खाली हो जाएंगी।

ओडिशा में भीषण ...

जिले के लिए आज (सोमवार) के दिन ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि सुंदरगढ़, क्योंझर, बालासोर और भद्रक जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा रायगढ़ा, कोरापुट, मलकानगिरी, पुरी, खुर्दा, नयागढ़, गंजाम और गजपति जिलों में सोमवार को बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश का अनुमान है।

विस चुनाव 2026 : ममता ...

बनाया है। इससे साफ संकेत मिलता है कि पार्टी इन हाई प्रोफाइल सीटों पर मजबूत राजनीतिक संदेश देना चाहती है। वहीं, पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को एक बार फिर खड़गपुर सदर सीट से उम्मीदवार बनाया है। पूर्व राज्यसभा सांसद स्वपन दासगुप्ता को रासबिहारी विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। भाजपा ने कई मौजूदा विधायकों को पुन: मैदान में उतारा है। इनमें आसनसोल दक्षिण से अग्निमित्रा पाल, शालतोड़ा से चंदना बाउरी, डाबग्राम-फूलबाड़ी से शिखा चट्टोपाध्याय, तुफानगंज से मालती रावा राय, सिलीगुड़ी से शंकर घोष और भाटपाड़ा से पवन सिंह का नाम शामिल है। इसके अलावा कूचबिहार उत्तर से सुकुमार राय, कुमारग्राम से मनोज उरांव, कालचीनी से विशाल लामा, फालाकाटा से दीपक बर्मन और नागराकाटा से पुनाभेंगरा को भी टिकट दिया गया है। इसके अलावा कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट भी काटे गए हैं। बालुरघाट से विधायक अशोक लाहिड़ी को टिकट नहीं दिया गया और उनकी जगह विद्युत राय को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह गोघाट से विश्वनाथ कारक की जगह प्रशांत डिगर, आरामबाग से मधुसूदन बाग की जगह हेमंत बाग को उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने उत्तर बंगाल और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में अपने मौजूदा विधायकों को बरकरार रखते हुए संगठनात्मक मजबूती का संकेत दिया है। माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी से आनंदमय बर्मन, फांसीदेवा से दुर्गा मुर्मू, तपन से बुधराय टुडू, गंगारामपुर से सत्येंद्रनाथ राय, हबीबपुर से ज्वेल मुर्मू और गाजोल से चिन्मय देवबर्मन को फिर टिकट दिया गया है। दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज से भाजपा के राज्य ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष शुभेंदु सरकार को उम्मीदवार बनाया गया है। बीरभूम के सिउड़ी से प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ चट्टोपाध्याय को लगातार दूसरी बार टिकट मिला है। पूर्व बर्धमान के जमालपुर से राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष अरुण हालदार को उम्मीदवार बनाया गया है। मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर और मुर्शिदाबाद सीट से क्रमश: सुब्रत मैत्र और गौरीशंकर घोष को फिर उम्मीदवार बनाया गया है। बेलडांगा से पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष भरत झावर को टिकट दिया गया है। नदिया जिले की रानाघाट की दोनों सीटों से पार्थसारथी चट्टोपाध्याय और असीम विश्वास को फिर मौका मिला है। डायमंड हार्बर से दीपक कुमार हलदार, हुगली की पुरशुड़ा से बिमान घोष और खानाकुल से सुषांत घोष को भी पुन: उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा की पहली सूची से यह स्पष्ट है कि पार्टी ने अनुभव और संगठनात्मक संतुलन को प्राथमिकता दी है। अधिकांश मौजूदा विधायकों को बरकरार रखते हुए कुछ सीटों पर बदलाव कर चुनावी समीकरण साधने की कोशिश की गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा इस रणनीति के जरिए अपने पारंपरिक वोट बैंक को मजबूत रखने के साथ नए सामाजिक समीकरण बनाने की कोशिश कर रही है। पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की यह पहली सूची चुनावी मुकाबले को और रोचक बनाने वाली मानी जा रही है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होंगे और चार मई को मतगणना होगी।

40 हजार मीट्रिक टन...

सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में कोई घटना दर्ज नहीं की गई है। परिणामस्वरूप, अब फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 22 जहाज बचे हैं, जिनमें कुल 611 नाविक सवार हैं। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने के उद्देश्य से होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात को फिर से शुरू करने के लिए तेहरान के साथ सीधी बातचीत को सबसे कारगर तरीका बताया था। फाइनेंशियल टाइम्स यूके को दिए एक साक्षात्कार में, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली वर्तमान में ईरान के साथ इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोलने की प्रक्रिया में लगी हुई है, जिससे वैश्विक तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा संचालित होता है। उन्होंने कहा कि इन चर्चाओं से कुछ परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं, जिससे पता चलता है कि भारत को तेहरान से अलग होने की बजाय *तर्क और समन्वय* करना अधिक प्रभावी लगता है। जयशंकर ने कहा कि निश्चित रूप से, भारत के दृष्टिकोण से, यह बेहतर है कि हम तर्क और समन्वय करें और कोई समाधान निकालें, बजाय इसके कि हम ऐसा न करें। हालांकि यह एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इस पर निरंतर काम जारी है, इसलिए बातचीत जारी रहेगी। मंत्री ने हाल ही में शिवालिक और नंदा देवी टैंकरों के पारगमन को इस कूटनीतिक रणनीति की व्यावहारिक सफलता बताया। हालांकि, जयशंकर ने स्पष्ट किया कि सभी भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए अभी तक कोई औपचारिक व्यापक व्यवस्था स्थापित नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि जहाजों का पारगमन वर्तमान में *मामले-दर-मामले* के आधार पर प्रबंधित किया जा रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है, लेकिन हमारे दुश्मनों के लिए, उन लोगों के लिए जिन्होंने हमारे खिलाफ यह कायरतापूर्ण आक्रमण किया और उनके सहयोगियों के लिए बंद है।

चाबहार पोर्ट के पास ...

प्रांत में पाकिस्तान की सीमा के पास स्थित है। विदेशी निवेश को आकर्षित करने और पारंपरिक तथा भीड़भाड़ वाले व्यापार क्षेत्रों से बचने के उद्देश्य से 1992 में स्थापित चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र ईरान में एक प्रमुख औद्योगिक और पारगमन केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह ईरान का एकमात्र समुद्री बंदरगाह भी है जिसकी हिंद महासागर तक सीधी पहुंच है। यह व्यापार क्षेत्र उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान जैसे कई मध्य एशियाई देशों के लिए पारगमन गलियारा प्रदान करता है और अफगानिस्तान तक भी पहुंच प्रदान करता है।चाबहार के पास अमेरिका द्वारा हमला किए जाने का यह पहला मौका नहीं है। 28 फरवरी को, अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले के पहले ही दिन, प्रांत में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान भर में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था और तत्कालीन सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई थी। ये हमले मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच हुए। सोमवार को दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक ड्रोन हमले में ईंधन टैंक क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद भीषण आग लग गई। मध्य पूर्व में चल रहे अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध के मद्देनजर एहतियात के तौर पर हवाई संचालन रोक दिया गया। दुबई अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए तुरंत नागरिक सुरक्षा दल तैनात किए गए थे। दुबई शहर के केंद्र के करीब स्थित दुनिया के सबसे व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों में से एक पर हुई इस घटना में अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया।

केरल चुनाव 2026 : भाजपा ...

जनता पार्टी की सूची के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन कझाकुट्टम विधानसभा क्षेत्र से, जबकि पी सी जॉर्ज पूंजर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाये गये हैं। यह घोषणा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) (सीपीआईएम) द्वारा आगामी केरल विधानसभा चुनाव 2026 में 86 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने अपने उम्मीदवारों की सूची में 56 मौजूदा विधायकों को फिर से नामांकित किया है। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन एक बार फिर कन्नूर जिले के धर्मदोम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के.के. शैलजा को कन्नूर जिले के पेरावूर विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है, जो मट्टन्नूर विधानसभा क्षेत्र से उनकी पिछली जीत के बाद एक बदलाव है। मट्टन्नूर विधानसभा क्षेत्र में उन्होंने रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी। सूची में प्रमुख नामों में पूर्व केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन और पार्टी के राज्य अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर शामिल हैं। चंद्रशेखर दक्षिणी राज्य में पार्टी के लिए महत्वपूर्ण सीट नीमोम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। केरल, जिसका नाम हाल ही में बदलकर केरलम कर दिया गया है, में 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

मंजीत सिंह असम विस चुनाव के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग ने सेवानिवृत्त आईएएस मंजीत सिंह को असम विधानसभा के आम चुनाव, 2026 के लिए विशेष पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्ति किया है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अवर सचिव एमएल मीना द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में कहा गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग ने असम विधानसभा के लिए हाल ही में घोषित आम चुनाव, 2026 के संबंध में अपना विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। असम की विधानसभा के लिए आम चुनाव, 2026 की मतदान तैयारियों और चुनाव के संचालन का निरीक्षण करने के लिए समय-समय पर मंजीत सिंह को असम का दौरा करना होगा और आवश्यक कार्रवाई के लिए आयोग को अपने सुझाव देने होंगे। इसके साथ ही, मंजीत सिंह असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के समन्वय से असम का दौरा करेंगे। इस संबंध में सभी आवश्यक सामग्री, सुविधाएं, प्रोटोकॉल आदि असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।

डॉ. शर्मा ने असम के सामाजिक ताने-बाने को फिर से बुना : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत निर्वाचन आयोग के एक ही चरण में मतदान कराने के फैसले का स्वागत किया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रंजीब कुमार शर्मा ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि निर्वाचन आयोग का यह फैसला *मियां* मतदाताओं द्वारा कई बार वोट डालने की गलत प्रथा को रोकने की दिशा में एक अहम कदम है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रंजीब कुमार शर्मा के अनुसार, आमतौर पर, कानून-व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं के कारण चुनाव कई चरणों में कराए जाते हैं। लेकिन, हाल के वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाली *डबल-इंजन* सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों ने असम में शांति का एक स्थायी माहौल बहाल किया है। कई उग्रवादी और अलगाववादी संगठनों के साथ ऐतिहासिक शांति समझौते करके, हमारी सरकार ने स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरगामी और परिवर्तनकारी कदम उठाया है। नतीजतन, अब एक ही दिन में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, *अटल बिहारी वाजपेयी भवन* में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने उपरोक्त बातें कहीं। इस मौके पर पार्टी प्रवक्ता किशोर कुमार भट्टाचार्य, डॉ. जफरीन महजबीन और मीडिया पैनलिस्ट प्रियंका तामुली भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के इस फैसले से *मियां* मतदाताओं द्वारा दो या तीन मतदान केंद्रों पर वोट डालने की प्रथा पर भी रोक लगेगी। यह ध्यान देने योग्य है कि अतीत में जब चुनाव कई चरणों में होते थे, तो कुछ *मियां* मतदाता कथित तौर पर इस चरणबद्ध मतदान प्रणाली का फायदा उठाकर अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित दो या तीन मतदान केंद्रों पर वोट डाल देते थे। शर्मा ने जोर देकर कहा कि मौजूदा व्यवस्था के तहत अब ऐसी कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। भाजपा आगामी चुनाव में अपने प्रचार अभियान के केंद्र में उस नए माहौल को रखेगी-जिसमें शांति, स्थिरता और जन-विश्वास शामिल है और जो विकास-उन्मुख शासन के माध्यम से असम के सामाजिक जीवन में वापस लौटा है। कांग्रेस शासन के दौरान, असम का सामाजिक ताना-बाना व्यापक भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अव्यवस्था, सामाजिक भेदभाव, राजनीतिक अवसरवाद और लंबे समय तक बनी रही अस्थिरता से बुरी तरह प्रभावित था। हालांकि, अपनी साहसी और निर्णायक नेतृत्व क्षमता के माध्यम से जिसे बिना किसी डर या पक्षपात के अपनाया गया है, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम की जनता के बीच विश्वास और भरोसे की एक गहरी भावना को पुनः स्थापित किया है। भाजपा मतदाताओं के समक्ष इस सकारात्मक गति को बनाए रखने के दृढ़ संकल्प के साथ जाएगी, जिसने युवाओं और ग्रामीण आबादी, दोनों के बीच आशा और उत्साह का संचार किया है। साथ ही असम की सामाजिक एवं विकासात्मक प्रगति को और आगे बढ़ाएगी।

कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै ने असम के प्रभारी को लिखा पत्र

गोगोई और मसूद पर लगाया अपमान का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। असम में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज गयी है, ऐसे में कांग्रेस के अंदर घमसान मचता नजर आ रहा है। टिकट से वंचित उम्मीदवार जहां पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता एवं नगांव संसदीय सीट से सांसद प्रद्युत बरदलै की नाराजगी खुलकर सामने आ गयी है। सांसद प्रद्युत बरदलै ने 15 मार्च को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को एक अल्टीमेटम जारी किया। उन्होंने आगामी असम विधानसभा चुनावों में लाहोरीघाट विधानसभा क्षेत्र के लिए उम्मीदवार के चयन को लेकर पार्टी से इस्तीफा देने की धमकी दी। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भेजे गए एक कड़े शब्दों वाले संदेश में, बरदलै ने इस फैसले पर गहरी पीड़ा व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने सीधे तौर पर असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख गौरव गोगोई और वरिष्ठ कांग्रेस नेता इमरान मसूद पर आरोप लगाया कि उम्मीदवार के मुद्दे पर आंतरिक चर्चाओं के दौरान उन्होंने मुझे (बरदलै) अपमानित किया। असम कांग्रेस के प्रभारी एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह को संबोधित एक कड़े शब्दों वाले पत्र में, बरदलै ने *दर्द और पीड़ा* व्यक्त की। उन्होंने इसे पार्टी नेतृत्व की विफलता बताते हुए कहा कि वे मौजूदा विधायक आसिफ मोहम्मद नजर की उम्मीदवारी के संबंध में उनके द्वारा बार-बार उठाए गए मुद्दों पर ध्यान देने में असफल रहे। ज्ञात हो कि बोरदलोई कांग्रेस के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। बावजूद आज उन्हें पार्टी के अंदर अलग-थलग होते नजर आ रहे हैं। पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर हाल के घटनाक्रमों ने उन्हें बहुत आहत किया है। नगांव के सांसद ने आरोप लगाया कि उनकी चिंताएं अप्रैल 2025 में उन पर हुए एक हिंसक हमले से जुड़ी हैं। बरदलै के अनुसार, नगांव पुलिस ने इमदादुल इस्लाम को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ चार्जशीट दायर की। बरदलै ने इमदादुल को लाहोरीघाट का एक *हिस्ट्री-शीटर* (अपराधिक इतिहास वाला व्यक्ति) और विधायक आसिफ नजर का करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इमदादुल ही उन पर हुए जानलेवा हमले का कथित मुख्य साजिशकर्ता था। पत्र में इस मुद्दे को लेकर समय-समय पर उन्होंने कांग्रेस हाई कमान तक को अवगत कराया, लेकिन इस पर कोई कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बरदलै कांग्रेस पार्टी को छोड़ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पहले ही कहा था कि कांग्रेस पार्टी के अंदर वरिष्ठ नेताओं के विरुद्ध जिस तरह से राजनीति हो रही है।

असम विस चुनाव 2026 : निर्वाचन क्षेत्र पुनर्निर्धारण में बदल गया बरपेटा क्षेत्र का रूप

बरपेटा (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव आगामी नौ अप्रैल को होने जा रहा है। चुनाओं की तिथि घोषित होते ही राज्य में राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। इस बीच निचले असम की एक प्रमुख सीट 24 नंबर बरपेटा क्षेत्र में भी चुनावी तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के अन्य क्षेत्रों की तरह बरपेटा जिले का बरपेटा विधानसभा क्षेत्र भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और श्रीश्री माधवदेव की कर्मभूमि बरपेटा विधानसभा क्षेत्र ने असम की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। निर्धारित सीमाओं के पुनर्निर्धारण के बाद बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र की रूपरेखा और जनसंरचना बदल गई है। पहले धार्मिक अल्पसंख्यक मतदाताओं से भरे बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र में सीमाओं के पुनर्निर्धारण के बाद राजनीतिक परिदृश्य में नए समीकरण की शुरुआत हुई है। इस बार बरपेटा विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आरक्षित किया गया है। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होने के कारण बरपेटा के वर्तमान कांग्रेस विधायक अब्दुर रहीम अहमद इस बार प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। इसके विपरीत, बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र में इस बार कांग्रेस ने महानंद सरकार को उम्मीदवार के रूप में उतारा है। इस बीच, बरपेटा क्षेत्र पर कब्जे के लक्ष्यों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सहयोगी पार्टी असम गण परिषद (अगप) ने पहले ही व्यापक प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। इस क्षेत्र में शासक सहयोगी दल से अधिवक्ता दीपक कुमार दास ने सभाओं का आयोजन कर जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्गठन के बाद, 24 नंबर बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित कर दिया गया है। निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्गठन के बाद, भौगोलिक सीमाओं के साथ-साथ बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र की जनसांख्यिकी में भारी बदलाव आया है।

अगप छोड़ भाजपा में शामिल हुए भूपेन राय सोमुवा

गुवाहाटी (हिंस)। असम में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज होती जा रही हैं। इसी क्रम में पूर्व विधायक और असम गण परिषद (अगप) के वरिष्ठ नेता भूपेन राय सोमुवा ने सोमवार को औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। गुवाहाटी स्थित असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। भाजपा में शामिल होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने भूपेन राय सोमवा का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा, नीति और आदर्शों के अनुरूप काम करते हुए वे संगठन को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर असम सरकार के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा और सांसद प्रदान बरुवा समेत कई अन्य भाजपा नेता भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने भूपेन राय के पार्टी में शामिल होने को संगठन के लिए सकारात्मक कदम बताया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भूपेन राय सोमवा को अभयापुरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा का उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

असम विस चुनाव-2026 : नामांकन प्रक्रिया शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने सोमवार को घोषणा की कि आगामी असम विधानसभा चुनाव-2026 के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है और 23 मार्च तक जारी रहेगी। उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र संबंधित उपायुक्तों के कार्यालयों में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच जमा कर सकेंगे। अनुराग गोयल ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) और राज्य पुलिस नोडल अधिकारी अखिलेश कुमार सिंह के साथ जनता भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चुनाव तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च को होगी, जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 26 मार्च तय की गई है। चुनाव प्रचार 7 अप्रैल को शाम 5 बजे तक किया जा सकेगा और मतदान 9 अप्रैल को होगा। अनुराग गोयल ने बताया कि असम में कुल 2, 50, 21, 413 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 1, 25, 16, 591 पुरुष और 1, 25, 04, 501 महिला मतदाता हैं। महिला मतदाताओं की हिस्सेदारी 49.97 प्रतिशत है, जबकि तृतीय लिंग श्रेणी के 321 मतदाता भी पंजीकृत हैं। आयोग के अनुसार 6, 28, 093 मतदाता 18-19 वर्ष आयु वर्ग के हैं, जबकि 2, 482 मतदाता 100 वर्ष से अधिक आयु के हैं। मतदान प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए राज्यभर में 31, 486 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। दलगांव में सबसे अधिक 3, 17, 110 मतदाता हैं, जबकि अमरी में सबसे कम 1, 00, 494 मतदाता दर्ज किए गए हैं। मतदान केंद्रों की संख्या के लिहाज से मानकाचर में सबसे अधिक 402 मतदान केंद्र हैं, जबकि दोतोमा में सबसे कम 146 केंद्र बनाए गए हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पूरे राज्य में पुलिस बलों की करीब 200 कंपनियां तैनात की जाएंगी। राज्य और जिला सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी और चुनाव अवधि के दौरान सीसीटीवी के जरिए निगरानी रखी जाएगी।

नगांव में *भूपेन हजारिका कलातीर्थ* परियोजाना उद्घाटित

नगांव (निसं)। नगांव जिले के विकास की दिशा में रविवार को एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए शहर के पानीगांव छयआली में नवनिर्मित *भूपेन हजारिका कलातीर्थ* परियोजना का वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस विशेष परियोजना में लगभग 800 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक विशाल सभागार और करीब 150 लोगों के लिए एक छोटा सभागार बनाया गया है। इसके अलावा यहां एक समृद्ध संग्रहालय, आर्काइव, आर्ट गैलरी तथा प्रदर्शनी के लिए एक बड़ा हॉल भी उपलब्ध कराया गया है। केवल बौद्धिक या सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए ही नहीं, बल्कि मनोरंजन के लिए भी यहां एक सुंदर रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए पार्क तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए एक विशेष *वॉकिंग जोन* की व्यवस्था की गई है। इस कलातीर्थ में नाटक सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुचारू रूप से आयोजन किया जा सकेगा। रविवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक रूपक शर्मा, जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा, विशिष्ट कलाकार कमल कटकी, नगांव नगरपालिका के उपाध्यक्ष सीमांत बोरा सहित जिले के कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग उपस्थित थे। विधायक ने आशा व्यक्त की कि यह आधुनिक परियोजना जिले के सांस्कृतिक वातावरण को एक नई दिशा और आयाम प्रदान करेगी।

बदले गए पांच जिलों के एसएसपी

गुवाहाटी (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से असम के मुख्य सचिव को असम विधानसभा के आम चुनाव, 2026 के संबंध में अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन के संबंध में सोमवार को एक आदेश जारी किया गया है। सचिव राजीव रंजन ने अपने आदेश में कहा है कि आयोग ने असम विधानसभा के आम चुनाव, 2026 के लिए चुनाव तैयारियों की समीक्षा की है। समीक्षा के तहत कुछ अधिकारियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापन करने का निर्देश दिया गया है। आदेश के तहत सोमालिन शुभदर्शिनी को माजुली जिले का एसएसपी, आर. शीतल कुमार को एसएसपी दक्षिण सलमारा, अंचल चौहान को एसएसपी सादिया, सुधाकर सिंह को एसएसपी चिरांग एवं मोहन लाल मीणा को एसएसपी धेमाजी के रूप में तैनात करने का निर्देश दिया गया है। आयोग के निर्देशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने और उपरोक्त अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने के संबंध में एक अनुपालन रिपोर्ट 17 मार्च सुबह 11 बजे तक भेजने को कहा गया है।

सशस्त्र सीमा बल की बड़ी कार्रवाई अवैध हथियारों के साथ दो गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। जीत सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, कार्यवाहक कमांडेंट के मार्ग दर्शन पर 31 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गोसाईगांव के सीमा चौकी जम्द्वर के द्वारा चौधरी घाट क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संयुक्त अभियान चलाया गया। यह अभियान 31 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल तथा गोसाईगांव थाना के अंतर्गत सराइबिल पुलिस आउट पोस्ट के पुलिस कर्मियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए संचालित किया गया। प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दो व्यक्तियों, राबन सोरेन एवं औटल इस्लाहारी को संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो देसी अग्न्यास्त्र, दो भाला तथा तीर जैसे आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। बरामद हथियारों को विधिवत जब्त कर लिया गया है। इस संयुक्त अभियान का नेतृत्व प्रणव शुक्ला, उप कमांडेंट, 31 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा किया गया। उनके नेतृत्व में 31 वाहिनी के नवनीत प्रभाकर, सहायक कमांडेंट, निरीक्षक (सामान्य) अर्जुन एक्का तथा अन्य बलकर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त पुलिस की ओर से मंटू राम बोरा, गोसाईगांव तथा सराइबिल पुलिस पोस्ट के इंचार्ज एसआई रिपुन हजारिका व अन्य पुलिस कर्मियों ने भी अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है तथा मामले की आगे की जांच संबंधित पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही है।

होजाई में विस चुनाव को लेकर धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी लागू

होजाई (निसं)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा संभावित अशांति की आशंका में, जिला दंडाधिश देवा प्रसाद मिश्रा ने रविवार को होजाई जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत व्यापक निषेधाज्ञा आदेश जारी किया। श्रीमंत शंकरदेव नगर में जिला दंडाधिश कार्यालय से जारी इस आदेश में सार्वजनिक शांति, जीवन और संपत्ति को खतरे का हवाला देते हुए तत्काल प्रतिबंध लगाए गए हैं, ताकि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से हो सके। यह आदेश चुनाव परिणाम घोषित होने तक लागू रहेगा। व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से निषिद्ध गतिविधियों में शामिल हैं। जिला दंडाधिश की अनुमति के बिना सार्वजनिक स्थानों पर पांच या इससे अधिक व्यक्तियों का जमावड़ा। लाठियां, खंजर, डंडे, भाले या तलवार जैसे हथियार या घातक वस्तुएं ले जाना। अनुमति के बिना रैलियां, बैठकें, जुलूस, धरना, हड़ताल, नारे लगाना या सड़कों, राजमार्गों या यातायात में बाधा डालने वाली कोई भी सभाएं। प्रचार, रोड शो में पशुओं, बच्चों या पटाखों का उपयोग। अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या माइक्रोफोन का उपयोग, विशेषकर अस्पतालों, स्कूलों, धार्मिक स्थलों के पास या रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच उच्च ध्वनि में। भड़काऊ, सांप्रदायिक, राज्य-विरोधी या राष्ट्र-विरोधी भाषण, नारे, बैनर, पोस्टर, दीवार लेखन या धार्मिक/सरकारी संपत्तियों का अपमान। सांप्रदायिक वैमनस्य भड़काने या सद्भाव भंग करने वाली उकसाने वाली हरकतें। चुनाव को प्रभावित करने वाले आपत्तिजनक सोशल मीडिया/एसएमएस संदेश। बाजार खरीदारी, खेल, सिनेमा, स्कूल, बस स्टेशन, विवाह, धार्मिक आयोजन और आधिकारिक चुनाव कार्य जैसी आवश्यक गतिविधियों को छूट दी गई है। पुलिस, सेना, मजिस्ट्रेट और उम्मीदवारों के घर-घर प्रचार अभियान को भी छूट प्राप्त है। आदेश में कहा गया है, *उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडनीय होगा।* प्रभावित व्यक्ति छूट के लिए अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। यह सक्रिय कदम होजाई में चुनाव से पहले बढ़ी सतर्कता को रेखांकित करता है।

राज्यपाल ने साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं को दी बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने जाने-माने लेखकों देबब्रत दास और सहायसुली ब्रह्म को साहित्य अकादमी पुरस्कार-2025 से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी। गौरतलब है कि, देबब्रत दास को उनके असमिया कार्य *कोरी खेलार साधु* के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान मिला है, जबकि सहायसुली ब्रह्म को उनके बोडो कार्य *द्वंगवी लामा म्वनसे गाथ्वन* के लिए सम्मानित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि उनकी उपलब्धियों ने राज्य को अत्यंत गौरवान्वित किया है और असम की समृद्ध साहित्यिक परंपराओं को उजागर किया है। उनकी साहित्यिक उत्कृष्टता और रचनात्मक योगदान की सराहना करते हुए, राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि दोनों लेखक अपनी कृतियों के माध्यम से भारतीय साहित्य को समृद्ध करना जारी रखेंगे।

बंगाईगांव में श्री अग्रवाल सभा (महिला शाखा) का गणगौर एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित

बंगाईगांव। श्री अग्रवाल समाज सभा, बंगाईगांव की महिला शाखा द्वारा भगवान शिव (गण) और माता पार्वती (गौर) को समर्पित राजस्थान तथा मारवाड़ी समाज का एक प्रमुख और पवित्र पर्व गणगौर महोत्सव महिलाओं द्वारा बड़े श्रद्धा, पारंपरिक उत्साह एंव हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं एवं युवतियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से राजस्थानी संस्कृति एवं परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से तथा गणगौर माता की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर गणगौर माता का श्रृंगार किया तथा सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना के लिए प्रार्थना की। इस दौरान

पारंपरिक गणगौर गीतों की मधुर प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके उपरांत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महिलाओं एवं बालिकाओं ने राजस्थानी लोकनृत्य, समूह नृत्य, हास्य अभिनय, सरप्राइज गेम एवं प्रश्न, तंबोला तथा गणगौर के पारंपरिक लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने राजस्थानी संस्कृति की झलक पेश करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। दूसरी तरफ महोत्सव के दौरान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को ध्यान में रखते हुए दो वरिष्ठ नर्सों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज की वरिष्ठजनों ने अग्रवाल महिला शाखा की सक्रियता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिला शाखा की पदाधिकारियों ने बताया कि गणगौर महोत्सव नारी शक्ति, श्रद्धा और परंपरा का प्रतीक है। इस पर्व के माध्यम से समाज की महिलाएं अपनी संस्कृति को संजोने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को गणगौर पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा सामूहिक रूप से उत्सव का आनंद लिया। आयोजन को सफल बनाने में अनु अग्रवाल, काजल अग्रवाल, आयुषी बंसल, नीलम अग्रवाल, नीलू अग्रवाल, रीना अग्रवाल, पिंकी चिरानिया, रंजना अग्रवाल के अलावा महिला शाखा की सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा और महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने गणगौर महोत्सव को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन आयुषी बंसल तथा काजल अग्रवाल ने किया। शाखा की अध्यक्षा अनु अग्रवाल ने समाज के सभी सदस्यों को गणगौर महोत्सव को अपार सफल करने के लिए धन्यवाद दिया।

कोकराझाड़ की सियासत में *शिवली* की एंट्री

बीपीएफ के टिकट के लिए हजारों समर्थकों संग किया आवेदन

कोकराझाड़ (विभास)। असम विधानसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में आज कोकराझाड़ विधानसभा क्षेत्र से बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) की ओर से उम्मीदवारी को लेकर बड़ी हलचल देखी गई। बीटीसी (बीटीसी) प्रमुख और बीपीएफ अध्यक्ष हग्रामा महिलारी की धर्मपत्नी शिवली महिलारी ने आज हजारों समर्थकों के उत्साह के बीच अपना आवेदन पत्र दाखिल किया। सोमवार सुबह शिवली महिलारी एक विशाल जनसमूह के साथ कोकराझाड़ स्थित बीपीएफ के जिला कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने बीपीएफ के कोकराझाड़ जिला अध्यक्ष एवं बीटीसी के कार्यकारी सदस्य देरहासात बसुमतारी को औपचारिक रूप से अपना आवेदन पत्र सौंपा। इस दौरान समर्थकों के नारों से पूरा कार्यालय परिसर गूंज उठा। आवेदन दाखिल करने के बाद गोरागभेली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिवली महिलारी ने अपनी जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मुझे विभिन्न जाति-जनजातियों, धर्मों और समुदायों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। बीपीएफ के प्राथमिक स्तर से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक के कार्यकर्ता मेरे साथ हैं। गांवबूढ़ा, सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएं और विभिन्न महिला संगठनों ने मुझ पर जो विश्वास दिखाया

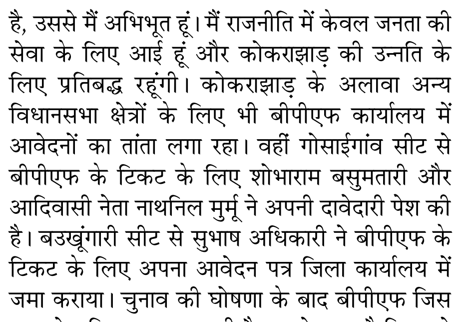

है, उससे मैं अभिभूत हूं। मैं राजनीति में केवल जनता की सेवा के लिए आई हूं और कोकराझाड़ की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध रहूंगी। कोकराझाड़ के अलावा अन्य विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी बीपीएफ कार्यालय में आवेदनों का तांता लगा रहा। वहीं गोसाईगांव सीट से बीपीएफ के टिकट के लिए शोभाराम बसुमतारी और आदिवासी नेता नाथनिल मुर्मू ने अपनी दावेदारी पेश की है। बउखूंगारी सीट से सुभाष अधिकारी ने बीपीएफ के टिकट के लिए अपना आवेदन पत्र जिला कार्यालय में जमा कराया। चुनाव की घोषणा के बाद बीपीएफ जिस तरह से सक्रिय नजर आ रही है, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में बीटीआर (बीटीआर) अंचल की राजनीति और भी दिलचस्प होने वाली है।

संपादकीय

गैस का संकट तो है

होर्मुज जलमार्ग पार करके एक भारतीय जहाज 'शिवालिक' 16 मार्च, सोमवार, को 'मुंद्रा पोर्ट' (गुजरात) पर पहुंचेगा। एक और जहाज 'नंदा देवी' 17 मार्च, मंगलवार, को 'कांडला बंदरगाह' (गुजरात) पर पहुंच सकता है। दोनों घरेलू गैस एलपीजी से लदे हुए हैं। दोनों जहाजों में 1.08 लाख मीट्रिक टन एलपीजी बताई गई है। यह भारत में मात्र एक दिन की गैस है। हमारी मासिक खपत 30 लाख टन है। एलपीजी के 11 अन्य जहाज भी होर्मुज पार करके भारत आने की उम्मीद में हैं। उनमें 4,15,000 टन एलपीजी बताई जा रही है। कच्चे तेल के 8 जहाज और एलएनजी के 3 जहाज भी प्रतीक्षारत हैं कि कब ईरान इजाजत देगा और वे भारत की तरफ प्रस्थान करेंगे। होर्मुज को लेकर भारत-ईरान का कोई नया करार नहीं हुआ है। भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। भारत 2019 तक ईरान से कच्चा तेल आयात करता था। उसकी आपूर्ति में परिवहन और बीमा निःशुल्क होते थे। 'रुपए' की मुद्रा में तेल की आपूर्ति होती थी और ईरान के करीब 60,000 करोड़ रुपए भारतीय बैंकों में जमा थे। अमरीका ने ईरान पर पाबंदियां थोपीं, तो भारत पर भी दबाव बनाया गया कि वह ईरान से तेल न खरीदे। हमने अमरीका का आदेश मान लिया और ईरान से तेल का आयात बंद कर दिया। उसी तरह रूस के तेल को काफी कम किया गया। अब संकट के दौर में ईरान और रूस दोनों को 'पुरानी दोस्ती' की दुहाई दी जा रही है। वे दोस्ती निभा भी रहे हैं। आभार ईरान और रूस...! अब सरकार बार-बार दावे कर रही है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, तो कुछ सवाल मौजू लगते हैं। जिनके घरों में पाइपलाइन से पीएनजी सप्लाई की जाती है, उन्हें एलपीजी कनेक्शन से वंचित क्यों किया जा रहा है? ऐसे कनेक्शन 1.62 करोड़ हैं। देश की आबादी में चुटकी भर संख्या...! बीती 13 मार्च को 88.8 लाख बुकिंग कराई गई, जबकि एक दिन की औसत बुकिंग 55 लाख रही है। क्या पूरी 'दहशतपूर्ण बुकिंग' है? राजधानी दिल्ली में ही होटल, रेस्तरां और ढाबों में इंडक्शन चूल्हों और डीजल की भ_ट्ठियों पर खाना क्यों बनने लगा है? सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के जरिए वैकल्पिक ईंधन की इजाजत क्यों दी है? लोगों ने घरों की छतों पर चूल्हा रख कर लकड़ी और कोयले पर खाना पकाना क्यों शुरू कर दिया है? जहरीले प्रदूषण को आमंत्रण और पर्यावरण का छिलना शुरू...! एक पेशेवर सवाल यह है कि यदि एलपीजी का कोई संकट नहीं है, तो गैस डीलरों ने फोन क्यों बंद कर रखे हैं? हॉकर के फोन भी बंद हैं, क्यों? प्रधानमंत्री मोदी आजकल चुनावी जनसभाओं में व्यस्त हैं। वह बार-बार देश का आह्वान कर रहे हैं कि अफवाहों में मत आएं और अफवाहें फैलाएं भी नहीं। देश करीब 12 साल पहले कांग्रेस और विपक्ष को खारिज कर चुका है। लगातार तीन बार संसदीय जनादेश भाजपा-एनडीए को मिला है। नतीजतन मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री हैं। 12 साल एक लंबा वक्त होता है, लिहाजा अब प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की जिम्मेदारी है कि देश संकट में घिरना नहीं चाहिए। यदि संकट वैश्विक है, तो देश को विश्वास में लेना चाहिए कि प्रयास किए जा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का देश को संबोधित करना अनिवार्य है। सरकार कबूल करे कि तेल-गैस का संकट है और उससे पार पाने की कोशिशें की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के दौरान कई बार देश को संबोधित किया था। अंततः कोरोना पराजित हुआ। यदि अब गैस एजेंसियों के बाहर जमा भीड़ कांग्रेस, वामपंथी, सपाई कार्यकर्ता या समर्थक हैं और गैस वाकई उपलब्ध है, तो उस भीड़ का संकट हल क्यों नहीं किया जा रहा? भीड़ कुछ हजार ही होगी। आखिर वे भी देश के नागरिक और एलपीजी के पंजीकृत उपभोक्ता हैं! आगामी दो-तीन माह के दौरान बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव हैं। इन राज्यों में कुल 18 करोड़ मतदाता हैं और 11 लाख से अधिक गैस सिलेंडर रोजाना सप्लाई किए जाते हैं। प्रधानमंत्री और भाजपा को एहसास होगा कि मतदाता का इस समय मानस क्या है? यदि देश में तेल-गैस का कोई भी संकट नहीं है, तो स्पष्ट बताएं। कांग्रेस को कोसने से संकट कम नहीं होने वाला है, प्रधानमंत्री जी! मीडिया में खबरें छप रही हैं कि कई जगहों पर रसोई गैस के लिए लंबी-लंबी कतारें लोगों की लग रही हैं। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में रसोई गैस की कमी की खबरें आ रही हैं।

एलपीजी के 11 अन्य जहाज भी होर्मुज पार करके भारत आने की उम्मीद में हैं। उनमें 4,15,000 टन एलपीजी बताई जा रही है। कच्चे तेल के 8 जहाज और एलएनजी के 3 जहाज भी प्रतीक्षारत हैं कि कब ईरान इजाजत देगा और वे भारत की तरफ प्रस्थान करेंगे। होर्मुज को लेकर भारत-ईरान का कोई नया करार नहीं हुआ है। भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं। भारत 2019 तक ईरान से कच्चा तेल आयात करता था। उसकी आपूर्ति में परिवहन और बीमा निःशुल्क होते थे। 'रुपए' की मुद्रा में तेल की आपूर्ति होती थी और ईरान के करीब 60,000 करोड़ रुपए भारतीय बैंकों में जमा थे। अमरीका ने ईरान पर पाबंदियां थोपीं, तो भारत पर भी दबाव बनाया गया कि वह ईरान से तेल न खरीदे। हमने अमरीका का आदेश मान लिया और ईरान से तेल का आयात बंद कर दिया। उसी तरह रूस के तेल को काफी कम किया गया। अब संकट के दौर में ईरान और रूस दोनों को 'पुरानी दोस्ती' की दुहाई दी जा रही है। वे दोस्ती निभा भी रहे हैं। आभार ईरान और रूस...! अब सरकार बार-बार दावे कर रही है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, तो कुछ सवाल मौजू लगते हैं। जिनके घरों में पाइपलाइन से पीएनजी सप्लाई की जाती है, उन्हें एलपीजी कनेक्शन से वंचित क्यों किया जा रहा है? ऐसे कनेक्शन 1.62 करोड़ हैं। देश की आबादी में चुटकी भर संख्या...! बीती 13 मार्च को 88.8 लाख बुकिंग कराई गई, जबकि एक दिन की औसत बुकिंग 55 लाख रही है।

भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था

साझा चूल्हा : संकट से समाधान की राह

डॉ. प्रियंका सौरभ

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है—समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है—"साझा चूल्हा"। साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे। इससे ईंधन की बचत होती थी, श्रम का बंटवारा होता था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि समाज के लोगों के बीच संवाद और अपनापन बना रहता था। भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं रहता था, बल्कि वह सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर बन जाता था। समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया। तकनीकी विकास, शहरीकरण और आर्थिक प्रगति ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को धीरे-धीरे कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई और अलग चूल्हा है। यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का प्रतीक भी माना जाता है। लेकिन इसके साथ ही समाज में एक प्रकार की दूरी भी बढ़ी है। पड़ोस में रहने वाले लोग भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रह जाते हैं। इसी संदर्भ में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक बहस तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक दृष्टि से भी सोचने की आवश्यकता है। क्या हम अपनी परंपराओं से कोई ऐसी सीख ले सकते हैं जो आज की परिस्थितियों में भी उपयोगी हो? "साझा चूल्हा" का विचार इसी दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हो सकता है। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा सदियों से चली आ रही है। धार्मिक आयोजनों, मंदिरों, गुरुद्वारों और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन प्राप्त करते हैं। वहाँ न जाति का भेद होता है, न आर्थिक स्थिति का। सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। यह परंपरा केवल सेवा भावना ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और एकता का भी प्रतीक है। यदि समाज ऐसे बड़े आयोजनों में सामूहिक रसोई को सहजता से स्वीकार कर सकता है, तो फिर रोजमर्रा के जीवन में इस विचार को अपनाने में संकोच क्यों? यह आवश्यक नहीं कि हर जगह बड़े स्तर पर सामुदायिक रसोई स्थापित की जाए, लेकिन छोटे-छोटे स्तर पर भी सहयोग की भावना विकसित की जा सकती है। उदाहरण के लिए, किसी मोहल्ले या समुदाय के कुछ परिवार मिलकर सामूहिक रूप से भोजन बनाने की व्यवस्था कर सकते हैं, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब संसाधन सीमित हों या खर्च अधिक हो रहा हो। यह विचार केवल आर्थिक बचत तक सीमित नहीं है। साझा चूल्हा समाज में सहयोग और संवाद की संस्कृति को भी मजबूत कर सकता है। जब लोग एक साथ बैठते हैं, काम करते हैं और भोजन साझा करते हैं, तो उनके बीच विश्वास और समझ बढ़ती है। सामाजिक तनाव कम होते हैं और समुदाय की एकजुटता मजबूत होती है। खेती-किसानी, पशुपालन या अन्य श्रमसाध्य कार्यों से जुड़े लोग इस भावना को अधिक अच्छी तरह समझते हैं। ग्रामीण जीवन में श्रम और संसाधनों का साझा उपयोग एक सामान्य बात है। खेतों में काम के दौरान कई परिवार मिलकर भोजन की व्यवस्था करते हैं। त्योहारों और सामाजिक अवसरों पर भी सामूहिक भोजन की परंपरा देखने को मिलती है। यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सरल और संतुलित बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी है। इसके विपरीत, आधुनिक शहरी जीवन ने कई लोगों को सुविधाओं के बीच तो रखा है, लेकिन उन्हें सामाजिक ताने-बाने से कुछ हद तक दूर भी कर दिया है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी जीवन की अवधारणा ने सामूहिकता की भावना को कमजोर किया है। लोग अपने घरों में सीमित हो गए हैं और पड़ोस या समुदाय के साथ उनका संपर्क कम होता जा रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि समाज में एक प्रकार का अकेलापन और अलगाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में साझा चूल्हा केवल आर्थिक या व्यावहारिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का भी एक प्रतीक बन सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज की असली ताकत केवल सरकारी नीतियों में नहीं, बल्कि लोगों के आपसी सहयोग और एकता में भी होती है। जब समाज संगठित होता है, तो वह कई समस्याओं का समाधान स्वयं खोज लेता है। बेशक, आज की परिस्थितियाँ पहले जैसी नहीं हैं। शहरों की जीवनशैली, काम के अलग-अलग समय और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के कारण हर जगह साझा चूल्हा लागू करना संभव नहीं हो सकता। लेकिन इस विचार का मूल संदेश—सहयोग और साझेदारी—आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। यदि समाज इस भावना को अपनाए, तो कई समस्याओं का प्रभाव स्वतः कम हो सकता है। दरअसल, संकट के समय समाज की असली परीक्षा होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कठिन परिस्थितियाँ आईं, भारतीय समाज ने सामूहिकता और सहयोग के बल पर उनका सामना किया है। प्राकृतिक आपदाओं से लेकर आर्थिक चुनौतियों तक, लोगों ने एक-दूसरे की मदद करके परिस्थितियों को संभाला है। यही हमारी सामाजिक संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है। आज जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक और ऊर्जा संबंधी चुनौतियाँ सामने हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम केवल राजनीतिक विमर्श तक सीमित न रहें, बल्कि सामाजिक समाधान की दिशा में भी सोचें। साझा चूल्हा इसी सोच का एक प्रतीक हो सकता है—एक ऐसा प्रतीक जो हमें बताता है कि संकट केवल समस्या नहीं, बल्कि अवसर भी हो सकता है। यदि समाज में सहयोग और साझेदारी की भावना मजबूत हो, तो कई कठिनाइयाँ आसान हो जाती हैं। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है और समस्याओं का बोझ भी साझा हो जाता है। यही कारण है कि सामुदायिक जीवन की परंपराएँ सदियों तक हमारे समाज को स्थिर और मजबूत बनाए रखती रही हैं। अंततः यह समझना आवश्यक है कि साझा चूल्हा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की एक संभावित दिशा भी हो सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि आधुनिकता और परंपरा विरोधी नहीं हैं; बल्कि यदि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए तो समाज और अधिक सशक्त बन सकता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी परंपराओं से मिलने वाले संदेश को समझें और उसे आधुनिक संदर्भों में लागू करने का प्रयास करें। यदि समाज सहयोग और साझेदारी की भावना को फिर से जीवित कर सके, तो केवल गैस सिलेंडर ही नहीं, बल्कि जीवन की कई अन्य चुनौतियाँ भी सहज रूप से हल हो सकती हैं।

विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है—समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित नहीं होता, बल्कि विस्तृत रिश्तों और समुदाय के साथ जुड़ा रहता है। गांवों में तो यह भावना और भी गहरी दिखाई देती है, जहाँ कठिन परिस्थितियों में पूरा समाज एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है—"साझा चूल्हा"। साझा चूल्हा केवल भोजन पकाने का साधन नहीं था, बल्कि वह सामूहिक जीवन की भावना का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार मिलकर एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे।

देश | दुनीया से

अर्थव्यवस्था की जरूरतों से जुड़े शिक्षा

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि इस बजट के तहत देश की शिक्षा व्यवस्था को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस जैसी अर्थव्यवस्था की नई वास्तविक जरूरतों से जोड़ने हेतु प्रभावी पहल की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने शैक्षणिक संस्थानों से उनके परिसरों को उद्योग सहयोग और शोध आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया, ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बजट के तहत नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) सेक्टर पर विशेष ध्यान भी दिया गया है। निःसंदेह एक अप्रैल 2026 से क्रियान्वित किए जाने वाले आगामी वर्ष के बजट आवंटनों से भारत की जेन-जी पीढ़ी (सन् 1997 से 2012 के बीच पैदाइश) एआई, स्वचालन, नए डिजिटल कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता से देश की नई आर्थिक और तकनीकी शक्ति बनाने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के लिए जेन-जी पीढ़ी एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभ है। दुनिया में सबसे अधिक जेन-जी की आबादी भारत में है। भारत में जेन-जी की आबादी लगभग 37.7 करोड़ है, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। वस्तुतः भारत में जेन-जी इंजीनियर, जेन-जी डिजाइनर, जेन-जी कोडर और जेन-जी विज्ञानी नई टेक्नोलाजी की रचना कर रहे हैं। जेन-जी भारत को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखती है। यह पाया गया है कि भारत की जेन-जी पीढ़ी सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) में लगातार अधिक कामयाब हो रही है। ऐसे में सरकार के द्वारा सेवा क्षेत्र में बढ़ते अवसरों के लिए जेन-जी पीढ़ी के अधिक लोगों को तैयार करना होगा। जेन-जी पीढ़ी की ऊर्जा को सही दिशा में निर्देशित किया जाना होगा, वहीं इस पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों में गहरी आस्था के साथ वैश्विक चुनौतियों के लिए भी तैयार किया जाना होगा। सरकार को नए बजट के प्रावधानों से भारत की विशाल और प्रतिभा सम्पन्न जेन-जी पीढ़ी को भारत की नई शक्ति बनाने की बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ाना होगा। निश्चित रूप से सरकार के द्वारा बजट 2026-27 के तहत युवाओं को एआई आधारित नए दौर के रोजगार मौकों के लिए तैयार करने की रणनीतिक पहल की गई है। ज्ञातव्य है कि 16 फरवरी से 21 फरवरी तक नई दिल्ली से आयोजित इंडिया ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इम्पैक्ट समिट-2026 से भारत की मुट्ठियों में जो तकनीकी और रणनीतिक मोर्चों पर बड़ी उपलब्धियां आई हैं, उनसे दुनिया के एआई नक्शे पर भारत चमकते हुए दिखाई दे रहा है। इस इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के तहत दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों और भारत के बड़े इंडस्ट्री ग्रुप्स ने 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की घोषणाएं कर यह संकेत दे दिया है कि आने वाला दशक भारत के लिए एआई बुनियादी ढांचे की ऊंचाई का दशक हो सकता है। समिट के दौरान हुए समझौतों ने यह दिखाया कि भारत सिर्फ एआई तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका बड़ा उत्पादक और निर्यातक बनने की तैयारी में है। यह बात महत्वपूर्ण है कि एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गुगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। चूंकि भारत का श्रम बाजार ढांचागत बदलाव से गुजर रहा है। नीति आयोग की रिपोर्टों के तहत भी बड़ी संख्या में पारंपरिक नौकरियां खत्म होने और एआई से जुड़ी नई नौकरियां निर्मित होने की बात कही गई है। हाल ही में प्रकाशित नीति आयोग की रिपोर्ट रोडमैप फॉर जॉब क्रिएशन इन द एआई इकोनॉमी 2025 के मुताबिक एआई के बढ़ते प्रभाव से जहां 2031 तक बड़ी संख्या में पारंपारिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, वहीं एआई से जुड़ी करीब 40 लाख नई नौकरियां निर्मित होते हुए दिखाई देंगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई-स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है जिसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। ऐसे में तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव इन परिवर्तनों के कारण नई हाई-स्किल्ड नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनिया भर में उद्योगों और व्यवसायों को नया रूप मिलता हुआ दिखाई देगा। इसके मद्देनजर देश की नई पीढ़ी को एआई आधारित नौकरियों के बढ़ते अवसरों के बीच एआई पेशेवर के रूप में सुसज्जित किया जाना होगा। नई पीढ़ी को स्कूली शिक्षा के साथ प्रारंभिक स्तर से ही एआई से जोड़े जाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत सरकार ने तेजी से शोध और नवाचार की डगर पर आगे बढ़ने की रणनीति प्रस्तुत की है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश के लिए बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के तेजी से बढ़ने से भारत में ख्याति प्राप्त वैश्विक फाइनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि एक लाख करोड़ रुपए के रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन (आरडीआई) फंड लॉन्च हुआ है, उसका लाभ देश के अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को ताकत देने में किया जाना होगा। साथ ही इस फंड के माध्यम से सरकार को निजी क्षेत्र के लिए तकनीकी शोध, स्टार्टअप, इनोवेशन और औद्योगिक विकास में निवेश को प्रोत्साहित करना होगा, चूंकि भारत अब टेक्नोलॉजी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का नेतृत्वकर्ता बन चुका है, अतएव आरडीआई फंड से विज्ञान, उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग को नई मजबूती देते हुए वैश्विक विज्ञान नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

कुछ | अलग

दो किलो गाली का मोल

वजन को देखना आसान है, लेकिन तोलना उतना ही कठिन। आजकल सोने को तोलते देखकर हम अपने वजन का अंदाजा लगा सकते हैं। अमूमन आम आदमी का वजन तो सब्जीवाला भी घटा देता है। उस दिन पाव भर जलेबी के आगे आम खरीददार कमजोर दिखाई दे रहा था। किलो भर खरीदने की उसकी चाह मोल भाव करते-करते आधा रह गई। चाहत भी अजीब सा वजन रखती है। सरकार का मानना ही जनता की उमंगें लगातार भारी पड़ रही हैं, इसलिए इनका वजन रोकने के लिए जांच शुरू हो गई। सरकारी नौकर भागे-भागे और अपना वजन बचाते-बचाते यह सुनिश्चित कर रहे थे कि कहीं आम जनता की चाह या उमंग भारी न हो जाए। तभी उन्हें एक टूटी-फूटी झोंपड़ी में एक फटेहाल व्यक्ति मिला। उसके सपने तौले गए। आश्चर्य यह कि दो कौड़ी के व्यक्ति के सपने भारी निकले। कितनी ही सरकारों के सपने उसके साथ सोये हुए थे। अधिकारी ने भारी गाली देकर झोंपड़ी वाले को सपनों से दूर हल्का करने का सोचा, लेकिन उस गरीब पर भारी गाली, भारी न पड़ी। गरीब के पास आकर गालियां इतनी हल्की हो गईं कि अधिकारी ही थक गया। गरीब के पास गाली तो क्या मुफ्त के राशन का वजन भी हल्का हो रहा था।

आप का | नजरीया

मलबे से लैंड बैंक तक

बरसात से पहले और बरसात के बाद, हिमाचल की भौगोलिक परिभाषाएं बदल रही हैं। मौसम पहले केवल जीवन के नियम बदलता था, अब धरती से आसमान बदल रहा है। बादल कभी नाराज होते हैं, तो पूरी सर्दी में सूखा पहलवान हो जाता है। मार्च में लू की नौबत से अनुमान लगाया जा सकता है कि खड्डों पर टिका जीवन कितना असहाय हो चुका है। यह एक पक्ष है, लेकिन बादलों का दूसरा पहलू बरसात के जख्मों से भर देता है। ऐसे में पिछले सालों की त्रासदी ने कुछ नया सिखाने की कोशिश की है, तो अब विभागीय तौर पर वन व पीडब्ल्यूडी ने कुछ करने की ठानी है। वन विभाग खड्डों व नदियों से गाद हटाने की तरकीबों पर गौर करते हुए इस नतीजे पर पहुंचा है कि सर्वप्रथम ब्यास के करीब मनाली से कुल्लू तक के तीन स्थानों पर ड्रेजिंग की जाए। दूसरी ओर पीडब्ल्यूडी ने डंपिंग पालिसी की दिशा में कुछ कर दिखाने की तान छेड़ी है। नालों में फैलते मलबे के खिलाफ यह ऐलान कारगर होता है, तो पर्यावरणीय दृष्टि से सुधार की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन डंपिंग के कई आयाम हैं। सड़कों के किनारे पहाड़ से मलबा या रास्तों को खोलने की मशक्कत में बिखरता पहाड़ ज्यों का त्यों पड़ा रहता है, तो पीडब्ल्यूडी को सबसे पहले सड़कों पर मलबे का भंडारण रोकना पड़ेगा। दरअसल हिमाचल को लैंड बैंक बनाने की अवधारणा में मलबे से निजात पाने का सोचना होगा। लैंड स्लाइड से लैंड बैंक के बीच मलबे का समाधान है। एक तो प्राकृतिक मलबा है जो विकास का बाइ प्रोडेक्ट है। बढ़ते शहरीकरण या आधुनिक जीवनशैली ने मलबे का दबाव बढ़ाया है। ऑनलाइन शॉपिंग, फूड चेन, हाई वे टूरिज्म और नवनिर्माण की गतिविधियों ने कूड़े-कचरे और मलबे के ढेर बढ़ा दिए हैं। बेतरतीब डंपिंग के लिए सड़कों, नालों, नालियों, खड्डों और वन भूमि का इस्तेमाल बढ़ रहा है। कहा तो जाता है कि अवैध डंपिंग रुकेगी, लेकिन वैध डंपिंग के लिए स्थान ही चिन्हित नहीं होता। डंपिंग के लिए या तो फोरेस्ट से जगह लेनी पड़ेगी या स्लाइडिंग जोन को सशक्त करने के लिए वैज्ञानिक तौर पर मलबे का इस्तेमाल करते हुए जमीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। हर शहर को भविष्य की पार्किंग, पार्क तथा सामुदायिक मैदान विकसित करने के लिए एक साथ कई डंपिंग ग्राउंड बनाने होंगे। इसी के साथ ड्रेनेज व्यवस्था सुधारनी होगी। प्रायः सड़कों के किनारों पर पहाड़ या घाटी की तरफ जंगल हैं, जिनके ऊपर बरसाती पानी के जख्म तैरते हैं। अगर जंगल से पानी के निकास पर काम किया जाए, तो मलबा घटेगा वरना बरसात ने दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। प्रदेश की खनन नीति में अगर खड्डों, नालों व नदियों के वैज्ञानिक दोहन की परिभाषा सुदृढ़ होती है, तो मलबे में बहती रेत-बजरी मुनाफे का सौदा है। इसके लिए क्रशर उद्योग के मानदंड सही व उनके दायित्व सुनिश्चित करने होंगे। पीडब्ल्यूडी अकेला क्या करेगा, जब सड़कों को खोदने के लिए बिजली और जल शक्ति विभाग की जिम्मेदारी तय नहीं होती। अधिकांश वाटर सप्लाई या विद्युत आपूर्ति योजनाओं के तहत जमीन पर आक्रमण हो रहे हैं। बिजली के खंभे बरसात में लैंड स्लाइडिंग के कोण को दुर्दांत बना देते हैं, तो जलापूर्ति पाइपों से हो रहे रिसाव से पहाड़ गिरने तक की आशंका बढ़ रही है। गलत रोडमैप पर हो रहा विकास घातक है। हम अभी तक यह समझ नहीं पाए हैं कि हम ही इस विनाश के कारक हैं। हर गांव से शहर तक की योजनाओं में सर्वप्रथम प्राकृतिक जल स्रोतों, नदी-नालों एवं खड्डों के मूल चरित्र को सुरक्षित बनाना होगा तथा जरूरत के मुताबिक डंपिंग ग्राउंड से लैंड बैंक की स्थापना पर दीर्घ कालीन काम करना होगा।

वन विभाग खड्डों व नदियों से गाद हटाने की तरकीबों पर गौर करते हुए इस नतीजे पर पहुंचा है कि सर्वप्रथम ब्यास के करीब मनाली से कुल्लू तक के तीन स्थानों पर ड्रेजिंग की जाए। दूसरी ओर पीडब्ल्यूडी ने डंपिंग पालिसी की दिशा में कुछ कर दिखाने की तान छेड़ी है। नालों में फैलते मलबे के खिलाफ यह ऐलान कारगर होता है, तो पर्यावरणीय दृष्टि से सुधार की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन डंपिंग के कई आयाम हैं। सड़कों के किनारे पहाड़ से मलबा या रास्तों को खोलने की मशक्कत में बिखरता पहाड़ ज्यों का त्यों पड़ा रहता है, तो पीडब्ल्यूडी को सबसे पहले सड़कों पर मलबे का भंडारण रोकना पड़ेगा। दरअसल हिमाचल को लैंड बैंक बनाने की अवधारणा में मलबे से निजात पाने का सोचना होगा। लैंड स्लाइड से लैंड बैंक के बीच मलबे का समाधान है। एक तो प्राकृतिक मलबा है जो विकास का बाइ प्रोडेक्ट है। बढ़ते शहरीकरण या आधुनिक जीवनशैली ने मलबे का दबाव बढ़ाया है। ऑनलाइन शॉपिंग, फूड चेन, हाई वे टूरिज्म और नवनिर्माण की गतिविधियों ने कूड़े-कचरे और मलबे के ढेर बढ़ा दिए हैं। बेतरतीब डंपिंग के लिए सड़कों, नालों, नालियों, खड्डों और वन भूमि का इस्तेमाल बढ़ रहा है। कहा तो जाता है कि अवैध डंपिंग रुकेगी, लेकिन वैध डंपिंग के लिए स्थान ही चिन्हित नहीं होता। डंपिंग के लिए या तो फोरेस्ट से जगह लेनी पड़ेगी या स्लाइडिंग जोन को सशक्त करने के लिए वैज्ञानिक तौर पर मलबे का इस्तेमाल करते हुए जमीन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

दृष्टि | कोण

हरीश को मिला गरिमा से मरने का अधिकार

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इच्छामृत्यु की मांग से संबंधित याचिका पर बुधवार को जो ऐतिहासिक निर्णय सुनाया गया, उसके बाद से इस फैसले की चर्चा हर तरफ सुनाई दे रही है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा के माता-पिता द्वारा दायर अपने पुत्र की इच्छामृत्यु की याचिका को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। हरीश राणा का नाम अब इतिहास में एक ऐसे शख्स के रूप में जाना जाएगा जिसको भारत में पहली बार गरिमा से मरने का अधिकार अर्थात इच्छामृत्यु मिली है। हरीश राणा पिछले तेरह वर्षों से जिंदगी से जंग लड़ रहे हैं और जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं, लेकिन अब न्यायालय के आदेशों के बाद उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली से अलग कर दिया जाएगा ताकि वे प्राकृतिक रूप से अपने प्राण त्याग सकें। मौत हमेशा दुखदाई होती है, लेकिन जब जीवन में कष्ट मृत्यु से भी अधिक पीड़ादायक हो जाएं तो इनसान मृत्यु को चुनने में गुरेज नहीं करता। हालांकि हरीश ने इच्छामृत्यु को नहीं चुना क्योंकि वो इस स्थिति में ही नहीं है, लेकिन हमारे देश का इच्छामृत्यु से संबंधित कानून इस बात की इजाजत देता है कि जब कोई व्यक्ति स्वयं इस प्रकार की मृत्यु के लिए आवेदन नहीं कर सकता हो तो उसके करीबी रिश्तेदार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इतिहास के पन्नों को अगर पलटा जाए तो इच्छा मृत्यु की मांग के लिए अरुणा शानबाग का नाम एकदम से दिमाग में आ जाता है। सन् 1973 में मुंबई के एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करने वाली अरुणा शानबाग के साथ अस्पताल के अंदर वहीं पर कार्यरत एक कर्मचारी द्वारा बलात्कार के बाद हत्या का प्रयास किया गया था जिसकी वजह से अरुणा कोमा में चली गई थीं। सालों तक कोमा में रहने वाली अरुणा शानबाग के केस में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'पैसिव युथनेसिया' को कुछ शर्तों के साथ देश में मान्यता दे दी गई थी। इस घटना के बाद उसके परिवार और रिश्तेदारों ने भी कुछ समय के बाद अरुणा से अपना नाता तोड़ लिया था। घटना के बाद से लेकर 2015 में अरुणा की मौत तक उसका इलाज उसी अस्पताल में किया गया और वहां पर काम करने वाली अन्य नर्सों द्वारा अरुणा की देखभाल भी की गई।

इसी बीच सन् 2010 में एक सामाजिक कार्यकर्ता पिंकी वीरानी द्वारा अरुणा की हालत को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में अरुणा को इच्छामृत्यु देने के लिए दलील पेश की गई जिस पर 2011 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा ये निर्णय दिया गया कि किसी ऐसे व्यक्ति को जोकि मरणासन्न अवस्था में है, उसका लाइफ सपोर्ट सिस्टम उसकी मर्जी से या उसके परिवार, रिश्तेदारों या नजदीकी दोस्तों की मर्जी से हटाया जा सकता है जिसे 'पैसिव युथनेसिया' का नाम दिया गया। हालांकि अरुणा शानबाग के दर्द को ये निर्णय खत्म नहीं कर सका क्योंकि अरुणा का न तो परिवार था और न ही रिश्तेदार, और कोर्ट ने पिंकी वीरानी को अरुणा का दोस्त मानने से इंकार कर दिया और ये कहा कि जो नर्सें अरुणा का ध्यान रखती हैं, ये निर्णय उनको ही लेना है कि अरुणा को लाइफ सपोर्ट सिस्टम से हटा दिया जाए या नहीं। उन नर्सों ने अरुणा का लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने से मना कर दिया और आखिरकार 2015 में अरुणा शानबाग की 42 वर्ष तक कोमा में रहने के बाद मौत हो गई। सन् 2018 में एक अन्य पीआईएल की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा ये कहा गया कि संविधान की धारा 21 के द्वारा दिए गए जीने के अधिकार में गरिमा से मरने का अधिकार भी शामिल है। इस फैसले में कोर्ट द्वारा अरुणा शानबाग केस में सुनाए गए पैसिव युथनेसिया के फैसले को और अधिक विस्तारित करके पैसिव युथनेसिया के साथ-साथ लिविंग विल को भी देश में मंजूरी दे दी गई। अमूमन पैसिव युथनेसिया देते समय पीड़ित व्यक्ति की मंजूरी लेना असंभव कार्य होता है, इसलिए लिविंग विल के द्वारा इस समस्या का हल ढूंढने की कोशिश की गई।

पंजाब विधानसभा में कांशी राम को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पास

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा में सोमवार को बजट सत्र के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी के सभी विधायक एलपीजी संकट पर पीले चोले पहनकर सदन में पहुंचे। गैस किल्लत के मुद्दे पर विधायकों और मंत्रियों ने विधानसभा के बाहर और अंदर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के विरुद्ध भी सदन में निंदा प्रस्ताव पारित कर दिया गया। प्रदर्शन के दौरान विधायक मनविंदर सिंह ग्यासपुरा ने कहा कि गैस एजेंसियों के नंबर पर मिलाने पर फोन मिलता ही नहीं, सिलेंडर की बुकिंग तक नहीं हो रही। खाद्य आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि लोग गैस के लिए लाइनों में लग रहे हैं। विधायक मनजीत सिंह बिलासपुर ने नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा के विरुद्ध प्रस्ताव पेश किया। इसका कांग्रेस विधायकों और बाजवा ने विरोध किया। उन्होंने इस दौरान डिप्टी स्पीकर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वॉकआउट कर दिया। इसके बाद प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिया गया, जिसके बाद सदन को स्थगित कर दिया गया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कांशीराम को भारत रत्न देने का प्रस्ताव रखा, जिसका कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा और सुखविंदर सिंह सुक्खी ने समर्थन किया। बाजवा ने कहा कि राहुल गांधी से प्रेरित होकर यह फैसला लिया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि रोपड़ स्थित उनके गांव के स्कूल का नाम उनके नाम पर रखा जाए। दो करोड़ की लागत से स्कूल को अपग्रेड किया जाएगा। तरनतारन में मोमोज खाने से हुई बच्चों की मौत का मामला मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सदन में कई विधायकों तथा मंत्रियों ने स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया कि इस प्रकार का दूषित खाना बेचने वाली दुकानों को सील किया जाए और ठोस कार्रवाई की जाए।

कैग ने पंजाब विस में रखी रिपोर्ट में बताया राज्य की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी

चंडीगढ़ (हिंस)। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने पंजाब विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन सोमवार को राज्य की जेलों में लगातार कैदियों की संख्या बढ़ने से संबंधित रिपोर्ट रखी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 तक राज्य की जेलों में क्षमता से हजारों अधिक कैदी रखे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020-21 में पुरुष कैदियों की क्षमता 21,790 थी, जबकि 20,476 कैदी बंद थे। 2021-22 में यह संख्या क्षमता से बढ़कर 24,101 हो गई और 2022-23 में यह बढ़कर 28,481 तक पहुंच गई। यानी 2022-23 में पुरुष कैदियों की संख्या क्षमता से 4,823 अधिक थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पंजाब की जेलों में महिला कैदियों के मामले में भी स्थिति बेहतर नहीं है। 2020-21 में महिला कैदियों की क्षमता 1,408 थी और 1,240 कैदी बंद थे। 2021-22 में 1,285 और 2022-23 में 1,488 महिला कैदी जेलों में बंद पाए गए। सीएजी ने अपनी जांच में पाया कि कई जेलों में खाली स्थान होने के बावजूद भीड़ कम करने के लिए कैदियों का पर्याप्त स्थानांतरण नहीं किया गया। 31 मार्च 2023 तक 6,204 पुरुष कैदी ऐसे जेलों में बंद थे, जहां क्षमता से अधिक भीड़ थी, जबकि दूसरी जेलों में खाली स्थान उपलब्ध था। रिपोर्ट के अनुसार 2021 से 2023 के बीच 17,916 कैदियों का स्थानांतरण किया गया, लेकिन भीड़ कम करने के लिहाज से यह पर्याप्त नहीं था। सीएजी ने यह भी कहा कि जेलों में बढ़ती भीड़ के कारण कैदियों को रहने, साफ-सफाई, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। सरकार ने रिपोर्ट पर जवाब देते हुए कहा कि नई जेलों के निर्माण और पुराने जेल परिसरों के विस्तार की प्रक्रिया जारी है। लुधियाना में नई हाई सिक्योरिटी जेल और मोहाली में जिला जेल बनाने की योजना पर काम चल रहा है। इसके अलावा कई जेलों में अतिरिक्त बैरक भी बनाए जा रहे हैं।

भाजपा ने देश और प्रदेश में विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई परंपरा स्थापित की : अशोक

जींद (हिंस)। मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा ने कहा है कि वर्ष 2014 के बाद देश और प्रदेश में विकास, पारदर्शिता और सुशासन की नई परंपरा स्थापित हुई है। केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं ने गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा सोमवार को जींद जिले के पिंडारा, गतौली और जुलाना मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत आयोजित कार्यशालाओं में मुख्य वक्ता के तौर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र सरकार और हरियाणा सरकार द्वारा पिछले दस वर्षों में किए गए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का तुलनात्मक अध्ययन कार्यकर्ताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश और प्रदेश में विकास की नई दिशा और गति देखने को मिली है। केंद्र सरकार की योजनाओं ने गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देशभर में चार करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। जबकि

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के माध्यम से नौ करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पांच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रदेश में पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत किया गया है। कार्यशाला के दौरान उन्होंने संगठन के सिद्धांतों, विचारधारा और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के दर्शन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

जयपुर की उद्यमी डॉ. श्वेता चौधरी को *फ्यूचर शेपर 2026* सम्मान

जयपुर (हिंस)। जयपुर की प्रख्यात उद्यमी तथा कोड एजु की संस्थापक डॉ. श्वेता चौधरी को योरस्टोरी शी-स्पार्क्स सम्मेलन 2026 में फ्यूचर शेपर 2026 सम्मान से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन योरस्टोरी द्वारा आयोजित किया गया तथा इसे उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) का सहयोग प्राप्त था। ह सम्मान देशभर की उन महिला नेतृत्व कर्ताओं को दिया जाता है जो उद्यमिता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव के माध्यम से भारत के भविष्य को आकार दे रही हैं। इस वर्ष देश के विभिन्न क्षेत्रों से 15 विशिष्ठ महिलाओं को इस मंच पर सम्मानित किया गया। डॉ. श्वेता चौधरी को विशेष रूप से जयपुर जैसे द्वितीय श्रेणी के शहर से नवाचार आधारित उद्यमिता तंत्र विकसित करने के लिए सम्मानित किया गया। अपने उपक्रम इनोवहर, जो एक उद्यम स्टूडियो और स्टार्ट-अप संवर्धन मंच है, तथा कोड एजु, जो रचनात्मकता, बौद्धिक विकास और भविष्य के कौशलों पर केंद्रित एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण मंच है, के माध्यम से वे छात्रों, संस्थानों, नव उद्यमियों और निवेशकों को एक साथ जोड़ने का कार्य कर रही हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. श्वेता चौधरी ने कहा कि एक समय था जब महिलाओं को मुख्य रूप से उत्पादन और मनोरंजन के संदर्भ में देखा जाता था। उसके बाद एक ऐसा दौर आया जब महिलाओं को अपनी क्षमता और दृढ़ता सिद्ध करनी पड़ी। आज हम सौभाग्यशाली हैं कि ऐसे समय में जी रहे हैं जहाँ महिला और जुनून एक-दूसरे के पर्याय बनते जा रहे हैं। अब महिलाएं अपनी पहचान किसी से मांग नहीं रहीं, बल्कि स्वयं अपनी पहचान गढ़ रही हैं। डॉ. चौधरी ने आगे कहा कि प्राय: स्टार्ट-अप और नवाचार की चर्चा मुंबई या बेंगलुरु जैसे शहरों तक सीमित दिखाई देती है, किंतु जयपुर जैसे शहर भी सशक्त नवाचार तंत्र विकसित कर सकते हैं।

गैस एजेंसियों के बाहर लगी कतारें, पर्ची कटने पर भी नहीं मिल रहा सिलेंडर

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद में घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की परेशानी लगातार बरकरार है। शहर की कई गैस एजेंसियों के बाहर सोमवार को सिलेंडर लेने वालों की लंबी-लंबी कतारें लगी देखी गई। हालात ऐसे हैं कि लोग सुबह-सवेरे से ही एजेंसियों के बाहर लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। डबुआ इलाके में 17 नंबर चुंगी स्थित गैस एजेंसी के बाहर भी लोगों की लंबी लाइन देखने को मिली। कई लोग पिछले कई दिनों से सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं। स्थानीय निवासी प्रकाश ने बताया कि उनकी पर्ची शुक्रवार को कट गई थी, लेकिन इसके बावजूद अभी तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि रोज एजेंसी पर आने के बाद भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। इसी तरह सोहना रोड स्थित गैस एजेंसी के बाहर भी बड़ी संख्या में लोग लाइन लगाकर खड़े नजर आए।

समाज में सराहनीय कार्य करने वाली महिलाएं को संस्था ने किया सम्मानित

फर्रुखाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में सोमवार को आकांक्षा समिति के तत्वावधान में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही महिलाओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रुप में मनाए गए इस कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष डॉ. वन्दना द्विवेदी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पूरे विश्व की महिलाओं के आत्मसम्मान को परिलक्षित करता है। भारतवर्ष में इसकी महत्ता सदैव रही है। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: (संस्कृत: यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:) प्रसिद्ध मनुस्मृति श्लोक जहाँ नारियों का सम्मान और पूजा की जाती है, वहां देवता निवास करते हैं। यह भारतीय संस्कृति में महिलाओं के उच्च स्थान और उन्हें शक्ति का प्रतीक मानने की परंपरा को दर्शाता है। वर्तमान समय शिक्षा और ज्ञान का है हम कोई भी कार्य करें अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना है। उन्होंने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों यथा शिक्षा, कविता, संगीत, चिकित्सा, गंगा स्वच्छता, पर्यटन, स्वयं सहायता समूह में दायित्वों एवं सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं सुमन त्रिपाठी, दीपिका राजपूत, बिंदु गुप्ता, डॉ. शशि किरण सिंह (सभी शिक्षा), ऐश्वर्या उपाध्याय, दीप्ति वत्स, नम्रता सिंह, निहारिका पटेल, प्रियंका गांधी, डॉ. सुनीता यादव, पूनम पाल, शुभांगी अग्निहोत्री, गीतांजलि पटेल, स्मृति अग्निहोत्री, राना हिजाब और ताइक्वांडो की बालिकाओं को सम्मानित किया। इस दौरान समिति की रश्मि सिंह, गुंजा जैन, मंजू सिंह, साक्षी गुप्ता, डॉ. ज्योति गुप्ता, श्रद्धा, अनीता पाठक, भावना गुप्ता, दीपिका त्रिपाठी, डॉ. मीनू गुप्ता आदि उपस्थित रहीं। कुशल संचालन राना हिजाब ने किया।

बिहार राज्यसभा चुनाव : नितिन नवीन ने किया मतदान, राजद विधायक से मिलाया हाथ

पटना (हिंस)। बिहार में राजनीति के लिहाज से आज (सोमवार) का दिन काफी अहम माना जा रहा है। राज्य की पांच राज्यसभा सीटों के लिए विधानसभा परिसर में सुबह 9 बजे से मतदान जारी है, जो शाम 4 बजे तक चलेगा। मतदान के लिए सभी दलों के विधायक लगातार विधानसभा पहुंच रहे हैं और अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा उम्मीदवार नितिन नवीन भी विधानसभा पहुंचे और मतदान किया। मतदान प्रक्रिया के दौरान अब तक कई विधायकों ने अपने वोट डाल दिए हैं, जबकि बाकी विधायक भी धीरे-धीरे विधानसभा पहुंच रहे हैं। मतदान के दौरान सभी राजनीतिक दल अपने-अपने विधायकों को एकजुट बनाए रखने को लेकर बेहद सतर्क नजर आ रहे हैं। खासतौर पर पांचवीं सीट को लेकर मुकाबला दिलचस्प माना जा रहा है। यही वजह है कि दलों की कोशिश है कि उनके विधायकों का एक भी वोट इधर-उधर न हो। इस कारण मतदान के दौरान नेताओं की हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर राजनीतिक नजरें टिकी हुई हैं। इसी बीच विधानसभा परिसर में एक दिलचस्प दृश्य देखने को मिला। जब नितिन नवीन विधानसभा पहुंचे, तो राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक रणविजय साहू ने उनसे हाथ मिलाया। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात की तस्वीर सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा का दौर शुरू हो गया। हालांकि, इस मुलाकात को सामान्य शिष्टाचार बताया जा रहा है। फिर भी राज्यसभा चुनाव के दौरान अलग-अलग दलों के नेताओं की इस तरह की मुलाकातें अक्सर राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन जाती हैं।

उत्तर प्रदेश में युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर : अनिल राजभर

सुलतानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर मे योगी सरकार के मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों को साकार करते हुए युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में 14,000 से अधिक रोजगार मेले आयोजित किए जा चुके हैं। इजराइल-ईरान क्षेत्र में चल रहे तनाव पर मंत्री अनिल राजभर ने स्पष्ठ किया कि उत्तर प्रदेश के जो भी श्रमिक इजराइल में हैं, वे सभी सुरक्षित क्षेत्रों में हैं। सुलतानपुर जिले के अखंड नगर स्थित कलान में सोमवार को आयोजित एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले के मुख्य अतिथि के रूप में आए राजभर ने बताया कि कलान में आयोजित इस विशेष मेले में 100 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लेकर लगभग 6,000 से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि इस मेले के माध्यम से सेवायोजन और श्रम विभाग ने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को एक मंच प्रदान किया है। भारत सरकार से रिक्रूटिंग एजेंट का लाइसेंस मिलने के बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को विदेश में भी रोजगार दिलाने के लिए स्वतंत्र है। यह कदम प्रदेश के युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के द्वार खोलेगा। वर्तमान में जर्मनी से लगभग एक लाख लोगों की मांग है, जबकि अन्य यूरोपीय और खाड़ी देशों से भी लगातार मांग आ रही है। पिछले एक साल में करीब 8-9 हजार युवाओं को अच्छे पैकेज पर विदेश में रोजगार मिला है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सुरक्षा को लेकर बेहद संवेदनशील है और यदि कोई श्रमिक वापस आना चाहता है, तो उसे सुरक्षित लाने की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेलों का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

नवरात्र 19 को : पहले दिन श्याममय होगी सूर्यनगरी

जोधपुर (हिंस)। नवरात्र के पहले दिन 19 मार्च को सूर्यनगरी श्याममय होने जा रही है। श्याम भक्ति सेवा संस्थान के तत्वावधान में गीता भवन में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में संतों के सानिध्य में 500 श्याम भक्तों को विधिवत प्राण प्रतिष्ठा के साथ श्याम बाबा की 500 मूर्तियां नि:सुल्क प्रदान की जाएंगी। इससे पहले संस्थान द्वारा शहर के 100 मंदिरों, संस्थानों, प्रतिष्ठानों और अस्पतालों में श्याम बाबा की 100 मूर्तियां नि:सुल्क स्थापित कर एक अनूठी पहल की जा चुकी है। आयोजन समिति के अध्यक्ष ईश्वर सिंह उदावत और कार्यवाहक सचिव हेमंत लालवानी ने बताया कि संस्थान अध्यक्ष मोनिका प्रजापत के नेतृत्व में श्याम भक्ति सेवा संस्थान द्वारा घर-घर श्याम, हर घर श्याम अभियान के तहत जोधपुर के 100 विभिन्न मंदिरों, संस्थानों और प्रतिष्ठानों में श्याम बाबा की 100 मूर्तियों की स्थापना की जा चुकी है। इसी क्रम में अब 500 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, सामूहिक पूजन और वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आए छह ऊंटों की मौत

जोधपुर (हिंस)। संभाग के जैसलमेर जिले के लाठी गांव के पास रेलवे ट्रैक पर रविवार देर रात पोकरण जा रही लीलण एक्सप्रेस की चपेट में आने से छह ऊंटों की मौत हो गई। हादसे के बाद दो ऊंट ट्रेन के इंजन के नीचे फंस गए, जिन्हें निकालने में रेलवे कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लाठी पुलिस ने बताया कि रविवार रात करीब एक बजे ऊंटों का एक झुंड लाठी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। उसी समय जैसलमेर से चली लीलण एक्सप्रेस वहां पहुंच गई। ट्रेन की तेज आवाज और हेडलाइट की रोशनी से ऊंट घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान ऊंट ट्रेन की चपेट में आ गए। इनमें से पांच ऊंटों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ऊंट ने बाद में दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि दो ऊंट ट्रेन के इंजन से टकराकर नीचे की तरफ घसीटते हुए चले गए और इंजन के पहियों और निचले हिस्से में बुरी तरह फंस गए। टक्कर के कारण ऊंटों के शरीर पर गहरी चोटें आईं और कई जगहों पर मांस फट गया। घटना होते ही लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया, ताकि आगे और नुकसान न हो। ट्रेन रुकने के बाद चालक और रेलवे कर्मचारी नीचे उतरे और इंजन के नीचे फंसे ऊंटों को निकाला। इस काम में करीब बीस मिनट का समय लगा। तब तक ट्रेन ट्रैक पर ही खड़ी रही और यात्रियों को इंतजार करना पड़ा।

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत निकाली गई जागरूकता रैली

भागलपुर (हिंस)। स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत नगर परिषद सुल्तानगंज द्वारा सोमवार को जागरुकता रैली निकाली गई। रैली में नगर सभापति राज कुमार गुड्डू, प्रशिक्षु एएसपी सयाम रजा सहित दर्जनों पदाधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली छात्र एवं छात्राएं, वार्ड पार्षद, कर्मचारी गण शामिल रहे। रैली में मुरारका महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स के दर्जनों छात्र, छात्राएं, सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं सहित नगर परिषद सुल्तानगंज के सभापति राज कुमार गुड्डू, प्रशिक्षु एएसपी सयाम रजा, इंस्पेक्टर मृत्युंजय कुमार, वार्ड पार्षद नवीन कुमार बन्नी, सुभाष कुमार, रिना देवी, संजय चौधरी सहित नगर परिषद के कर्मचारी गण शामिल हुए। जागरुकता रैली नगर परिषद सुल्तानगंज से शुरू होकर संपूर्ण शहर भ्रमण करते हुए नमामि गंगा घाट पहुंची। जहां साफ सफाई करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर नगर परिषद सुल्तानगंज के सभापति राज कुमार गुड्डू ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-2026 के तहत स्वच्छता जागरुकता रैली निकाली गई।

गैस की किल्लत पर कांग्रेस का प्रदर्शन ज्ञापन सौंप आम जन को राहत देने की मांग

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी जिला चित्तौड़गढ़ की ओर से सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस शहर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपति के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में गैस सिलेंडर की किल्लत से आमजन को राहत दिलाने और गैस आपूर्ति सुचारू करने की मांग की गई। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर रख कर नारेबाजी की। पूर्व राज्य मंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत ने बताया कि हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय तनाव के चलते देश में गैस की किल्लत की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे हालातों में आमजन के बीच भोजन बनाने को लेकर चिंता और डर का माहौल बन रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में क्षेत्र में शादी-ब्याह, मुंडन सहित अन्य मांगलिक कार्यक्रमों का दौर

चल रहा है। वहीं रमजान का पवित्र महीना भी जारी है। ऐसे समय में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों के दाम बढ़ाना आपदा में अवसर तलाशने जैसा है। उन्होंने कहा कि एक ओर लोग शादी-ब्याह और त्योहारों के माध्यम से खुशियां बांट रहे हैं, वहीं सरकार द्वारा राहत देने के बजाए आमजन की खुशियों में व्यवधान पैदा किया जा रहा है। आज स्थिति यह है कि लोग गैस सिलेंडर के लिए लाइनों में खड़े हैं, लेकिन उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। कई जगह ओटीपी नहीं आने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जाड़ावत ने कहा कि क्षेत्र में गैस की कमी के कारण कई लोग दोबारा लकड़ी के चूल्हों पर निर्भर होने लगे हैं, जो चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि इससे पहले नोटबंदी के समय और कुछ समय पूर्व किसानों को यूरिया के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ा था, जिनके कई हृदय विदारक दृश्य सामने आए थे। अब गैस की किल्लत के चलते उसी प्रकार के हालात बनते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को सुनिश्चित किया जाए और बढ़ी हुई कीमतों पर रोक लगाई जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सचिव रणजीत लोठ, ग्रामीण अध्यक्ष विक्रम जाट, पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, नेतावल सरपंच प्रशासक राजदीपसिंह, युवराज श्रीमाली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

मैनें भी तय कर लिया है कि अब आगे चुनाव नहीं लड़ूंगा : अनंत सिंह

पटना (हिंस)। राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान करने सोमवार को बिहार विधानसभा पहुंचे मोकामा विधायक अनंत सिंह ने अपने राजनीति भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया। मतदान के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही यह बात साफ कर दी थी कि अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सक्रिय राजनीति में नहीं रहेंगे तो वह भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। अब जब यह तय है कि नीतीश कुमार राज्यसभा जा रहे हैं, तो मैनें भी तय कर लिया है कि अब आगे चुनाव नहीं लड़ूंगा उन्होंने कहा मैं पहले ही कह चुका था कि अगर नीतीश जी नहीं रहेंगे तो हम भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। इस बार मैं विधायक बन गया हूं लेकिन यह मेरा अंतिम चुनाव है। अगली बार मैं चुनाव मैदान में नहीं रहूंगा। अब मेरे बच्चे चुनाव लड़ेगें। अनंत सिंह ने कहा कि यह उनका आखिरी शपथ ग्रहण था। अब वह सक्रिय रूप से चुनाव नहीं लड़ेंगे और आगे की जिम्मेदारी उनके बेटे और परिवार पर होगी। मोकामा विधायक ने साफ कहा कि अगला विधानसभा चुनाव उनका बेटा लड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह मेरा आखिरी शपथ ग्रहण था। अब मेरे बाल-बच्चे चुनाव लड़ेंगे और जनता की सेवा करेंगे। इस दौरान अनंत सिंह ने अपने जेल से बाहर आने को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उनके समर्थकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है और उन्हें भरोसा है

कि वह एक महीने के भीतर जेल से बाहर आ जाएंगे। पत्रकारों की ओर से पूछे गए सवाल की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला खुद नीतीश कुमार ही करेंगे। अनंत सिंह ने कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं जानते और यह पूरी तरह से मुख्यमंत्री का निर्णय होगा कि उनके बाद राज्य की कमान किसके हाथ में जाएगी। बता दें कि मोकामा से बाहुबली विधायक अनंत सिंह इन दिनों एक मामले में जेल में बंद है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति में 10 साल का चक्र, संकटों ने बढ़ाई अस्थिरता

शुरू में दरों में कटौती, बाद में बढ़ोतरी और फिर लंबे समय तक स्थिरता का दौर आया

नई दिल्ली

पिछले 10 साल (2016–2026) में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों का पूरा चक्र देखा। शुरू में दरों में कटौती हुई, बाद में तेजी से बढ़ोतरी और फिर लंबे समय तक स्थिरता का दौर आया। सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव शक्तिकांत दास के कार्यकाल में देखे गए, जब कोविड-19 महामारी और वैश्विक महंगाई जैसी चुनौतियों ने नीति निर्णयों को प्रभावित किया। 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को राहत देने के लिए आरबीआई ने रेपो रेट में तेजी से कटौती की। इसके विपरीत, 2022 में वैश्विक महंगाई के दबाव में दरों में तेजी से वृद्धि हुई। इस अवधि में नीति का रुख कुछ ही वर्षों में ढील से सख्ती की ओर बदल गया। महंगाई लक्ष्य प्रणाली लागू होने के बाद दरों में बदलाव कम हुए। 2010-2015 में 16 बार ब्याज दर बढ़ाई गई, लेकिन 2016-2026 में दरें लंबे समय तक स्थिर रहीं। 2021 और 2024 जैसे साल पूरे साल रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं हुए। 2024 को फुल कंसेंसस साल माना गया, हालांकि नीति रुख को लेकर मतभेद भी सामने आए। मानिटरी पालिसी कमिटी (एमपीसी) के फैसलों में सदस्यों की सहमति मजबूत रही। दर तय करने में एकमत देखा गया, लेकिन भविष्य के संकेत और नीति रुख पर मतभेद रहे।

मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में हयूंदै क्रेटा रही नंबर-1

नई दिल्ली। मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में आटो बाजार में फिर हयूंदै क्रेटा का दबदबा देखने को मिला है। फरवरी 2026 में हुई बिक्री के आंकड़ों के अनुसार इस लोकप्रिय एसयूवी ने एक बार फिर टाप पोजीशन हासिल कर ली। बीते महीने क्रेटा को कुल 17,938 नए ग्राहक मिले। यह आंकड़ा पिछले साल फरवरी 2025 में हुई 16,317 यूनिट की बिक्री के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत अधिक है। बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर महिंद्रा स्कार्पियो रही। इस एसयूवी ने सालाना आधार पर करीब 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज करते हुए फरवरी 2026 में 14,665 यूनिट की बिक्री की। वहीं तीसरे स्थान पर मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा रही, जिसे इस दौरान 13,021 ग्राहकों ने खरीदा। सूची में चौथे स्थान पर किआ सेल्टोस रही। किआ की इस एसयूवी की बिक्री में उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली और सालाना आधार पर करीब 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ इसकी 10,308 यूनिट बिकीं। वहीं पांचवें स्थान पर टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर रही, जिसकी बिक्री में जबरदस्त 117 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल 9,359 यूनिट की बिक्री हुई। इसके बाद छठे स्थान पर महिंद्रा एसयूवी700 रही, जिसे फरवरी में 9,112 नए ग्राहक मिले। सातवें स्थान पर टाटा सियेरा रही, जिसकी 7,100 यूनिट बिकीं। बिक्री की सूची में आठवें स्थान पर मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा रही, जिसकी बिक्री में 45 प्रतिशत की सालाना गिरावट दर्ज की गई।

न्यूज ब्रीफ

मार्च की बढ़ती गर्मी से रबी फसलें प्रभावित, गेहूं-सौंफ की पैदावार 20 फीसदी घटने का खतरा

नई दिल्ली। मार्च की शुरुआत में जिले के कई इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। अचानक बढ़ी गर्मी से गेहूं, जौ और सौंफ जैसी रबी फसलें हीट स्ट्रेस का शिकार हो रही हैं। इस समय फसलें दाना बनने और भरने की अवस्था में हैं, इसलिए अधिक तापमान उनके सामान्य विकास में बाधा डाल रहा है और किसानों की चिंता बढ़ा रहा है। एग्रीकल्चर एक्सपर्ट के अनुसार यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो जिले के कुल उत्पादन पर बड़ा असर पड़ेगा। इस सीजन में जिले में कुल 36 हजार हेक्टेयर में रबी फसलें बोई गई थीं। सामान्य परिस्थितियों में अनुमानित उत्पादन 5.50 लाख क्विंटल था लेकिन अचानक बढ़ी गर्मी के कारण अब लगभग 1.10 लाख क्विंटल उत्पादन कम होने का अनुमान है, यानी कुल पैदावार में गिरावट संभव है। गर्म मौसम से पौधों में फोर्स मैच्योरिटी प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसका असर यह होता है कि दाने पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते और समय से पहले सूख जाते हैं। गेहूं और जौ के दाने छोटे, पतले और सिकुड़े रहते हैं। सौंफ की चमक और गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जिससे किसानों की आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

ईरान संघर्ष से रुपया दबाव में, आरबीआई के लिए बढ़ी चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय रुपये ने नया ऐतिहासिक निम्नतम स्तर छू लिया है। इस सप्ताह डालर के मुकाबले रुपया 91.71 से 92.47 के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा और सप्ताह का बंद 92.46 प्रति डालर पर हुआ। यह पिछले सप्ताह के 91.75 प्रति डालर से कमजोर है। रुपये की कमजोरी का मुख्य कारण वैश्विक जोखिम में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों का तेज बढ़ना है। ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत 70 डालर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 98.7 डालर प्रति बैरल हो गई है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है, जो वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिका ने भी 13 मार्च को ईरान पर हमले तेज किए। आईएफए ग्लोबल के एक प्रमुख अधिकारी का कहना है कि रुपये पर दबाव तब तक रहेगा जब तक ब्रेंट क्रूड 100 डालर प्रति बैरल के आसपास बना रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है।

भारत और अमेरिका में डब्ल्यूटीओ सुधार पर टकराव की आशंका

नई दिल्ली। भारत ने डब्ल्यूटीओ के मूल सिद्धांतों की सुरक्षा पर जोर दिया है। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लेना और तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) सिद्धांत शामिल हैं। सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि संगठन के बुनियादी नियम नहीं बदले जाने चाहिए।

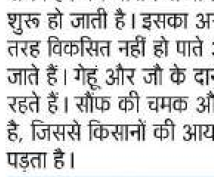

उनका मानना है कि पहले पुराने लंबित मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए, उसके बाद ही नए सुधारों को जोड़ा जाए। भारत ने यह भी कहा कि डब्ल्यूटीओ सुधार का मतलब नियमों में बदलाव नहीं होना चाहिए, वरना संगठन के प्रति भरोसा कमजोर होगा। अमेरिका का मानना है कि एमएफएन सिद्धांत अब आधुनिक समय के लिए उपयुक्त नहीं है। अमेरिका के अनुसार यह नियम देशों को व्यापारिक संबंधों को लचीले ढंग से विकसित करने से रोकता है। अमेरिका ने कहा कि विकसित और विकासशील देशों के बीच अंतर अब स्पष्ट नहीं है, इसलिए सदस्य देशों को विशेष समझौते करने की अनुमति होनी चाहिए। इससे केवल समझौते में शामिल देशों को लाभ मिलेगा। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने पहले लागू किए गए देश-विशेष टैरिफ को अवैध घोषित किया था, लेकिन अब यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने कई देशों के खिलाफ धारा 301 के तहत जांच शुरू की है। दोनों देश इस बात से सहमत हैं कि डब्ल्यूटीओ सुधार की प्रक्रिया सदस्य देशों द्वारा ही होनी चाहिए और किसी सूत्रधार की भूमिका सीमित रहनी चाहिए। विवाद एमएफएन सिद्धांत और नियमों में बदलाव को लेकर है। भारत इसे अपरिवर्तनीय मानता है, जबकि अमेरिका समय के अनुसार बदलाव चाहता है। डब्ल्यूटीओ की 14वीं मंत्री स्तरीय बैठक 26-29 मार्च को कैमरून के याउंडे में होने जा रही है। यह मुद्दा बैठक में सबसे महत्वपूर्ण चर्चा का विषय हो सकता है। भारत ने दिसंबर की जनरल काउंसिल बैठक में कहा था कि सुधार का मतलब नियमों का विस्तार या बदलना नहीं होना चाहिए।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला जीएसपी क्राप साइंस का आईपीओ, 24 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

एग्रोकेमिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जीएसपी क्राप साइंस का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 18 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 20 मार्च को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 मार्च को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 304 रुपये से लेकर 320 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 46 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 46 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,720 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,91,360 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 598 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1.25 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 240 करोड़ रुपये के 75 लाख नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 17.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 55.54 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 81.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 81.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 1,206.05 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 1,158.23 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 1,301.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 847.61 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 324.26 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 235.44 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 296.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 321.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 336 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 344.46 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 411.02 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 490.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 81.28 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 130.41 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 164.03 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 138.86 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात पर पश्चिम एशिया संकट का असर

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संघर्ष से 20 फीसदी की गिरावट

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात में इस महीने लगभग 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि यही स्थिति बनी रहती है तो अगले तीन महीनों में 1.2 अरब डालर के निर्यात पर असर पड़ सकता है।

कुल मिलाकर संभावित नुकसान लगभग 2 अरब डालर तक हो सकता है, हालांकि चीन और हान्गकान्ग जैसे बाजारों से इसकी कुछ भरपाई हो सकती है। भारतीय निर्यातक अमेरिकी शुल्कों के दबाव से बचने के लिए यूएई के बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कुल निर्यात का लगभग 65 प्रतिशत दुबई पहुंचा, जो खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में वितरित होता है।

दुबई अब भारत का प्रमुख आपूर्ति केंद्र बन गया है और यहां कच्चे और तैयार हीरों का व्यापार बेल्जियम की जगह ले चुका है। यूएई और विशेष रूप से दुबई को किए जाने वाले कुल निर्यात का मूल्य 8.3 अरब डालर है।

भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के कारण देश में लगभग 200 टन सोने के आयात पर भी असर पड़ने की संभावना है। हालांकि फरवरी 2026 में भारतीय रत्न और आभूषण का निर्यात 2.68 अरब डालर रहा, जो सालाना आधार पर 3.86 प्रतिशत बढ़ा। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक निर्यात 25.93 अरब डालर के स्तर पर स्थिर रहा, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 25.92 अरब डालर था।

नई इलेक्ट्रिक एसयूवी एमजी 4एक्स पेश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में पिछले कुछ वर्षों में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मजबूत पकड़ बनाई है। इस सफलता में सबसे बड़ा योगदान एमजी विंडसोर ईवी की शानदार बिक्री का माना जाता है। कंपनी का बीएएएस यानी बैटरी ऐज ए सर्विस प्राइसिंग माडल भी ग्राहकों को आकर्षित करने में सफल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी वर्ष 2027 तक झेडएस ईवी और एमजी अस्टार की जगह नए माडल लाने की तैयारी कर रही है। इसी बीच कंपनी ने अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी एमजी 4एक्स को पेश किया है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि यह भविष्य में झेडएस ईवी का विकल्प बन सकती है। इससे पहले एमजी ईएस5 को भी झेडएस ईवी की जगह लेने वाला माडल माना जा रहा था, लेकिन अब एमजी 4एक्स को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस नई एसयूवी को अगले महीने बीजिंग में होने वाले आटो चाइना शो में आधिकारिक तौर पर ग्लोबल डेब्यू किया जाएगा। इसके आयामों की बात करें तो एमजी 4एक्स की लंबाई 4,395 मिमी, चौड़ाई 1,842 मिमी, ऊंचाई 1,551 मिमी और व्हीलबेस 2,750 मिमी है। आकार के लिहाज से इसका मुकाबला बीवायडी अटटो 2 से माना जा रहा है। डिजाइन की बात करें तो इसमें कनेक्टेड एलईडी लाइट बार, स्टाइलिश हेडलाइट्स, स्पोर्टी बंपर, क्रोम विंडो लाइन और डुअल-टोन एलाय व्हील्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे प्रीमियम लुक देते हैं।

सोना और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये से लेकर 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये से लेकर 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,59,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रखा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए।

एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,632.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 206.62 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,105.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 154.02 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,712.49 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 10,261.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.92 प्रतिशत लुढ़क कर 7,911.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 142.36 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,447.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से चार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि पांच सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,264 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 155.40 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,621 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत उछल कर 1,413.26 अंक के स्तर पर और ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 33,403.69 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 546.61 अंक यानी 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 53,273 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.72 प्रतिशत फिसल कर 4,066.32 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 117.27 अंक यानी 1.67 प्रतिशत टूट कर 7,019.94 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.19 प्रतिशत फिसल कर 5,476.81 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 4,840.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका करेंगे एफआईएच हाकी नेशंस कप 2025-26 की मेजबानी

लाजान (स्विट्जरलैंड)

अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ (एफआईएच) ने सोमवार को घोषणा की है कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका क्रमश: महिला और पुरुष वर्ग के एफआईएच हाकी नेशंस कप 2025-26 के चौथे संस्करण की मेजबानी करेंगे। इस प्रतियोगिता के विजेता को एफआईएच हाकी प्रो लीग 2026-27 सत्र में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

पुरुष वर्ग की प्रतियोगिता दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन शहर में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया की कई मजबूत टीमें भाग लेंगी। इन टीमों में मेजबान दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, स्काटलैंड और आयरलैंड शामिल हैं। स्काटलैंड ने एफआईएच हाकी नेशंस कप-2 के माध्यम से पदोन्नति हासिल की है, जबकि आयरलैंड 2024-25 सत्र की एफआईएच हाकी प्रो लीग से बाहर होकर इस टूर्नामेंट में उतरेगा। एफआईएच हाकी पुरुष नेशंस कप 2025-26 का आयोजन 11 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। यह प्रतियोगिता एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगी, जिसने 2022 में पोटचेफस्ट्रूम शहर में पुरुष वर्ग के पहले संस्करण की मेजबानी की थी। महिला वर्ग की प्रतियोगिता न्यूजीलैंड के आकलैंड शहर में 15 से 21 जून 2026 तक खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में मेजबान न्यूजीलैंड के अलावा अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्काटलैंड, फ्रांस और भारत की टीमें भाग लेंगी। फ्रांस ने एफआईएच हाकी नेशंस कप-2 से पदोन्नति हासिल की है, जबकि भारत 2024-25 सत्र की एफआईएच हाकी प्रो लीग से बाहर होकर इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। एफआईएच हाकी नेशंस कप की शुरुआत 2021 में उन शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों के लिए की गई थी, जो एफआईएच हाकी प्रो लीग में शामिल नहीं हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ऐसी टीमों को उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना है, जहां से विजेता टीम को अगले सत्र की प्रो लीग में पदोन्नति का अवसर मिलता है। महिला वर्ग में अब तक खेले गए तीन संस्करणों में भारत, स्पेन और न्यूजीलैंड खिताब जीत चुके हैं। वहीं पुरुष वर्ग में पहले संस्करण का खिताब दक्षिण अफ्रीका ने जीता था।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश के रिव्यू को लेकर पाकिस्तान ने दर्ज कराई आधिकारिक शिकायत

मीरपुर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार को खेले गए तीसरे वनडे मैच के दौरान लिए गए विवादित रिव्यू को लेकर मैच रेफरी नेयामुर राशिद से आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह मामला मीरपुर में खेले गए मुकाबले के आखिरी ओवर से जुड़ा है, जिसमें आन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना के फैसले पर सवाल उठाए गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान टीम प्रबंधन का आरोप है कि बांग्लादेश ने आखिरी से दूसरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू का रिव्यू उस समय लिया जब उस गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था। मुकाबले के उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों पर 12 रन की जरूरत थी। बांग्लादेश के गेंदबाज रिशाद हुसैन ने लेग स्टंप पर फ्लाइटेड गेंद डाली, जो लेग साइड की ओर घूमती हुई बल्लेबाज शाहीन शाह अफरीदी से दूर निकल गई। अंपायर ने इसे वाइड करार दिया। इसके बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू ले लिया, जबकि पहली नजर में गेंद अफरीदी के शरीर या पैरों के पास भी नहीं दिख रही थी। सामान्य नियमों के अनुसार रिव्यू लेने का फैसला खिलाड़ियों को रिप्ले दिखने से पहले करना होता है, ताकि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली जानकारी से निर्णय प्रभावित न हो। पाकिस्तान का आरोप है कि इस मामले में यह प्रोटोकाल सही तरीके से नहीं अपनाया गया। उनका यह भी कहना है कि संभव है कि बांग्लादेश ने 15 सेकंड की तय समय-सीमा के बाद रिव्यू लिया हो, हालांकि प्रसारण में कोई टाइमर नहीं दिखाया गया, जिससे इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज से बाहर हुए ईश सोढ़ी

माउंट माउंगानुई। न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय

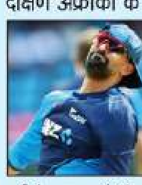

सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान गेंदबाजी करते समय उनके अंगूठे में चोट लग गई थी और स्कैन में अंगूठा टूटने की पुष्टि हुई है। डाक्टरों के अनुसार उन्हें पूरी तरह ठीक होने में करीब चार सप्ताह का समय लगेगा। टीम प्रबंधन के अनुसार, चोट के कारण सोढ़ी सीरीज के शेष मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इस बीच तेज गेंदबाज लाकी फर्ग्यूसन दूसरे और तीसरे मैच के लिए टीम से जुड़ चुके हैं, जो क्रमश: हैमिल्टन और आकलैंड में खेले जाएंगे। चयनकर्ताओं ने सोढ़ी की जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अब मिचेल सैंटनर और कोल मैककान्ची संभालेंगे। न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच राब वाल्टर ने कहा, ईश न्यूजीलैंड के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित रहते हैं और विश्व कप अभियान के बाद घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए भी वे काफी उत्सुक थे।

बीसीसीआई ने जारी किये सभी दस आईपीएल टीमों के कप्तानों के नाम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 के लिए कप्तानों के नाम घोषित कर दिये हैं। आईपीएल में इस बार भी 10 टीमें उतरेंगी। इन सभी टीमों के कप्तानों की घोषणा हो गयी है। कप्तानों की सूची में अधिक बदलाव नहीं हुए हैं। मौजूदा चैम्पियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तानी इस बार भी रजत पाटीदार के पास रहेगी। वहीं, पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स की कप्तानी एक बार फिर श्रेयस अय्यर करेंगे। दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी अक्षर पटेल के पास रहेगी। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पांड्या करेंगे। पिछले सत्र में भी वहीं कप्तान थे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ करेंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने भी पिछले बार के कप्तान अजिंक्य रहाणे को बरकरार रखा है। राजस्थान रायल्स की कप्तानी में बदलाव हुआ है और इस बार रियान पराग कप्तान बनाये ये थे। रियान ने हालांकि पिछली बार नियमित कप्तान संजू सैमसन के साथ कुछ मैचों में कप्तानी की थी। सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी इस बार भी पैट कमिंस करेंगे। पिछले बार भी वही कप्तान रहे थे। गुजरात टाइटन्स की कप्तानी शुभमन गिल ही करेंगे।

आईपीएल टीमों के कप्तान

- रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु - रजत पाटीदार
- पंजाब किंग्स - श्रेयस अय्यर
- लखनऊ सुपर जायंट्स - ऋषभ पंत
- मुंबई इंडियंस - हार्दिक पांड्या
- चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़
- कोलकाता नाइट राइडर्स - अजिंक्य रहाणे
- राजस्थान रायल्स - रियान पराग
- सनराइजर्स हैदराबाद - पैट कमिंस
- गुजरात टाइटन्स - शुभमन गिल
- दिल्ली कैपिटल्स - अक्षर पटेल।

एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करेगी : पीटी उषा

नई दिल्ली

भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी ऊषा ने भारतीय खेलों में एथलीट-केंद्रित शासन व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र का भविष्य ऐसी नीतियों से तय होना चाहिए जिनमें खिलाड़ियों को निर्णय प्रक्रिया के केंद्र में रखा जाए। आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट फेडरेशन आफ इंडिया (एसजेएफआई) के स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की तैयारी, कल्याण और विकास खेल प्रशासकों तथा खेल संस्थाओं की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस सम्मेलन की मेजबानी दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (डीएसजेए) कर रहा है।

पीटी उषा ने कहा, एथलीट-फर्स्ट गवर्नेंस भारतीय खेलों के भविष्य का मार्गदर्शन करनी चाहिए। खिलाड़ियों की तैयारी, उनका कल्याण और विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए।

भारतीय खेलों के बदलते परिदृश्य पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश इस समय अपने खेल सफर के एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। बेहतर बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और संस्थागत समर्थन के कारण भारतीय खिलाड़ी अब वैश्विक मंच पर अधिक आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, पिछले एक दशक में हमने देखा है कि देश में खेलों को समर्थन और सम्मान देने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। आज खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत संस्थागत समर्थन मिल रहा है।

पीटी उषा ने जमीनी स्तर पर खेलों के विकास के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय खेलों की असली ताकत गांवों, कस्बों और स्कूलों में छिपी हुई प्रतिभाओं में है, जिन्हें पहचानने और आगे बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, भारतीय खेलों की असली ताकत जमीनी स्तर पर है—गांवों, कस्बों और स्कूलों में जहां नई प्रतिभाएं सामने आने का इंतजार कर रही हैं। यदि हम कोचिंग, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा पहचान में लगातार निवेश करते रहें, तो भारत लगातार विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर सकता है।

पीटी उषा ने खेल पत्रकारिता की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खेल पत्रकार केवल परिणाम बताने वाले नहीं होते, बल्कि वे खिलाड़ियों के संघर्ष, भावनाओं और उपलब्धियों की कहानियों को सामने लाते हैं। जिम्मेदार और गहन खेल पत्रकारिता देश में खेलों की मजबूत नींव तैयार करती है।

सम्मेलन के दौरान आयोजित एक पैनल चर्चा में आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि भारत इस समय अपने खेल विकास के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहां बढ़ती महत्वाकांक्षा, निवेश और भागीदारी देश को एक प्रमुख खेल राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भारत खेलों में इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। हमारे पास महत्वाकांक्षा है और इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

अय्यर ने कहा कि खेलों में भारत की प्रगति को बनाए रखने के लिए मजबूत जमीनी खेल ढांचा तैयार करना बेहद जरूरी है, जिसकी शुरुआत समुदाय स्तर पर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी बढ़ाने से होगी।

उन्होंने कहा, हमें ऐसा खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा जिसमें समुदाय स्तर पर अधिक लोग खेलों में भाग लें। जब यह आधार तैयार होगा, तब सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर तक पहुंचने के लिए आवश्यक संसाधन और समर्थन दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रमंडल खेल जैसे आयोजनों के साथ-साथ अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी देश के खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और भारत की वैश्विक खेल पहचान को बढ़ाने में मदद करेगी।

उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में हम बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की दिशा में भी काम कर रहे हैं। कामनवेल्थ गेम्स और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताएं उस दृष्टि का हिस्सा हैं, जिसके माध्यम से भारत भविष्य में ओलंपिक खेलों की मेजबानी की नींव तैयार कर रहा है।

नार्थ जोन ने जीता आईडीसीए 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब

इंदौर

इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित 7वीं वनडे नेशनल जोनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप का रविवार को समापन इंदौर में हुआ, जिसमें रोमांचक मुकाबलों के बाद नार्थ जोन ने खिताब अपने नाम किया, जबकि साउथ जोन उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में देश के पांच जोन की डेफ पुरुष टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में नार्थ जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में 120 रन बनाए। टीम की ओर से कुलदीप सिंह ने 31 रन की अहम पारी खेली। साउथ जोन की तरफ से यशवंत नायडू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ जोन ने 25.5 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीम की जीत में वैभव ने 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि रोहित सैनी ने गेंदबाजी में पांच विकेट लेकर अहम योगदान दिया। चैंपियनशिप के अन्य मुकाबलों में सेंट्रल जोन ने ईस्ट जोन को 55 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल जोन ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए, जिसमें विराज कोल्टे ने 30 गेंदों में 50 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में ईस्ट जोन की टीम 18.1 ओवर में 132 रन पर सिमट गई। संजू शर्मा ने तीन विकेट लेकर सेंट्रल जोन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि संतोष कुमार मोहापात्रा ने 34 रन बनाए।

व्यक्तिगत पुरस्कारः

मैन आफ द मैच: विवेक कुमार (नार्थ जोन), अमन चौकसे (सेंट्रल जोन)

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज: अभिषेक सिंह (ईस्ट जोन)

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: विवेक कुमार (नार्थ जोन)

प्लेयर आफ द सीरीज: विवेक कुमार (नार्थ जोन)

समापन समारोह में मुख्य अतिथि डा. अतुल मलिकराम ने विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की, जबकि विशिष्ट अतिथि राखाल कुमार सेठी ने उपविजेता टीम को सम्मानित किया। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि इस चैंपियनशिप ने डेफ क्रिकेटरों की प्रतिभा और खेल के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

31 मार्च को इंटरकान्टिनेंटल प्लेआफ मुकाबले में उतरेगी इराकी टीम

बगदाद। इराक की फुटबाल टीम इस माह के अंत में मेक्सिको में 31 मार्च को फीफा विश्वकप फुटबाल में प्रवेश के लिए इंटरकान्टिनेंटल प्लेआफ मुकाबले में उतरेगी। इस प्लेआफ मुकाबले में इराक का सामना बोलीविया या सूरीनाम में से किसी एक टीम से होगा। इस मैच की विजेता टीम को विश्वकप में खेलने का अवसर मिलेगा। इराक की टीम ने आखिरी बार साल 1986 में फीफा विश्व कप खेला था। अब टीम के पास 39 साल बाद विश्व कप में वापसी करने का बड़ा मौका है और खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इराक ने क्वालिफायर में भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने पांचवें राउंड में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3-2 से हराकर प्लेआफ में जगह बनाई थी। खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए टीम को निज विमान से भेजा जाएगा। इराकी फुटबाल संघ के अध्यक्ष अदनान दिरजल ने कहा है कि खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए हालात बेहद खराब हैं। ऐसे मे टीम को सुरक्षित भेजने की तैयारियां चल रही हैं। यह मुकाबला 31 मार्च को मेक्सिको के मोंटेरे शहर में खेला जाएगा। अदनान ने कहा कि मध्य पूर्व क्षेत्र में 28 फरवरी से ही हवाई क्षेत्र बंद है। जिस प्रकार से मध्यपूर्व में ड्रोन और मिसाइल हमले हो रहे हैं जिसमें टीम को सुरक्षित भेजना सबसे चुनौतीपूर्ण काम है। इन हालातों में हवाई यात्रा कठिन हो गयी है पर इसके बाद भी टीम को निजी विमान से मेक्सिको भेजा जाएगा। मेक्सिको ने सभी खिलाड़ियों को पहले ही वीजा जारी कर दिए हैं, जिससे टीम की यात्रा में परेशानी आने की संभावना नहीं है।

जयपुर ने जीता श्री सीमेंट पोलो कप का खिताब, नाहरगढ़ को 9-4½ से हराया

जयपुर

जयपुर पोलो टीम ने यहां आरपीसी ग्राउंड पर खेले गए श्री सीमेंट कप के फाइनल में नाहरगढ़ को 9-4½ से हराकर सीजन का अपना 11वां खिताब जीत लिया। जयपुर की जीत के नायक रहे महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात गोल दागे। उनकी अगुवाई में जयपुर ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अंत तक बढ़त कायम रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मुकाबले की शुरुआत में नाहरगढ़ को ½ गोल का हैंडीकैप बढ़त मिली थी, लेकिन जयपुर ने जल्दी ही मैच पर नियंत्रण कर लिया। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने पहला फील्ड गोल दागकर टीम का खाता खोला और फिर एक और गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद उन्होंने तेजी से हैट्रिक पूरी करते हुए जयपुर को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पहले चुक्कर के अंत से ठीक पहले प्रताप सिंह कनोटा ने भी एक शानदार फील्ड गोल कर जयपुर की बढ़त को चार गोल तक पहुंचा दिया।

दूसरे चुक्कर में नाहरगढ़ ने वापसी की कोशिश की। तरुण बिलवाल ने जयपुर की रक्षा पंक्ति को भेदते हुए नाहरगढ़ के लिए पहला फील्ड गोल किया। हालांकि जयपुर ने तुरंत जवाब दिया और महाराजा पद्मनाभ सिंह ने एक और गोल दागकर टीम की बढ़त कायम रखी। इसके बाद विशाल सिंह राठौड़ ने नाहरगढ़ के लिए एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन चुक्कर के अंत में फिर से महाराजा पद्मनाभ सिंह ने गोल कर जयपुर को मजबूती दी। हाफटाइम तक स्कोर जयपुर 6 - नाहरगढ़ 2½ रहा।

तीसरे चुक्कर में नाहरगढ़ ने शुरुआती मिनटों में फिर से दबाव बनाने की कोशिश की और तरुण बिलवाल ने दूसरा गोल कर टीम का स्कोर 3½ तक पहुंचाया। इसके जवाब में प्रताप सिंह कनोटा ने शानदार फील्ड गोल कर जयपुर की बढ़त फिर बढ़ा दी। इसके कुछ देर बाद महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने मैच का अपना छठा गोल दागते हुए जयपुर को निर्णायक बढ़त दिला दी।

आखिरी चुक्कर में भी जयपुर का दबदबा जारी रहा। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने एक और गोल कर टीम का स्कोर नौ तक पहुंचा दिया। नाहरगढ़ की ओर से एक पेनल्टी कन्वर्जन के जरिए स्कोर 4½ तक पहुंचा, लेकिन जयपुर की मजबूत रक्षा पंक्ति ने विशाल सिंह राठौड़ के नेतृत्व में आए आखिरी दबाव को भी झेलते हुए जीत सुनिश्चित कर ली। जयपुर की ओर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने सात गोल किए, जबकि प्रताप सिंह कनोटा ने दो गोल जोड़े। नाहरगढ़ के लिए तरुण बिलवाल ने दो गोल और विशाल सिंह राठौड़ ने एक गोल किया, साथ ही एक पेनल्टी कन्वर्जन भी टीम के खाते में गया।

यानिक सिनर ने जीता इंडियन वेल्स 2026 का खिताब, जोकोविच-फेडरर के खास क्लब में शामिल

नई दिल्ली

कैलिफोर्निया में रविवार को खेले गए प्रतिष्ठित इंडियन वेल्स 2026 टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने रूस के दानिल मेदवेदेव को 7-6(6), 7-6(4) से हराकर अपना पहला इंडियन वेल्स खिताब जीत लिया।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तानी मौसम में खेले गए इस मुकाबले में सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान 28 विनर्स और 10 ऐस लगाए तथा नेट पर खेले गए सभी आठ अंकों में सफलता हासिल की।

इस जीत के साथ सिनर इतिहास में ऐसे तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने सभी छह एटीपी मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट खिताब जीते हैं। इस उपलब्धि के साथ वह टेनिस के दिग्गज नोवाक जोकोविच और रोजर फेडरर के विशेष क्लब में शामिल हो गए।

साल का यह उनका पहला खिताब है। इसके साथ ही वह 1990 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार दो मास्टर्स 1000 खिताब बिना एक भी सेट गंवाए जीते हैं। पेरिस में पिछले वर्ष जीते खिताब से शुरू हुई उनकी जीत की लय इस श्रेणी में 11 मैचों तक पहुंच गई है।

मुकाबले का हाल - पहला सेट काफी रोमांचक रहा। मेदवेदेव ने आक्रामक शुरुआत करते हुए सिनर पर लगातार दबाव बनाया और स्कोर 6-5 तक पहुंचाया, लेकिन सिनर ने वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में इतालवी खिलाड़ी ज्यादा सटीक साबित हुए और 7-6(6) से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिनर ने पांचवें गेम में बिना कोई अंक गंवाए ब्रेक लेकर 3-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने हार नहीं मानी और स्कोर 6-6 कर दिया, जिससे मैच एक और टाईब्रेक में पहुंच गया।

टाईब्रेक में मेदवेदेव ने 4-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सिनर ने शानदार वापसी करते हुए लगातार अंक हासिल किए और 7-4 से टाईब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद सिनर ने कहा, मैं लगातार विश्वास बनाए रखता रहा और अपने शाट्स खेलने की कोशिश करता रहा। अगर तीसरा सेट होता तो मुकाबला बराबरी से शुरू होता, इसलिए मैंने मैच खत्म करने की पूरी कोशिश की और इस जीत से बेहद खुश हूं।

मेदवेदेव का शानदार सफर - मेदवेदेव ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। सेमीफाइनल में उन्होंने विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज़ को हराकर बड़ा उलटफेर किया था और आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन की सीजन की 16 मैचों की जीत की लय को भी तोड़ दिया था। हालांकि, इंडियन वेल्स में यह उनका तीसरा फाइनल था और उन्हें एक बार फिर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

गर्मियों में बाहर के खाने से बचें

गर्मी के मौसम में आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो बाहर के खाने से बचें। समय अभाव के चलते अक्सर लोग बाहर का खाना ही खाना पसंद करते हैं। जंक फूड और फास्ट फूड लोगों की दिनचर्या में शामिल हो गए हैं। बाहर का खाना ज्यादा तैलीय और कैलोरी वाला होता है जिसे खाने से आप बीमारियों को बुलाते हैं। बाहर खाने से पेट से जुड़ी कई बीमारियां शुरू हो जाती हैं। गर्मियों में फूड प्वाइजनिंग होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा अशुद्ध खाने से मधुमेह और कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां होने की संभावना बढ जाती है। इसलिए गर्मियों के मौसम में बाहर का खाने से बिल्कुल ही परहेज करना चाहिए।

ये होते हैं नुकसान

गर्मियों में बाहर का खाना खाने से कई शारीरिक दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। आपको घर के जितना पोषक और साफ-सफाई वाली गुणवत्ता बाहर के खाने में बिल्कुल नहीं मिल सकती है।

पेट की बीमारियां- पेट की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण खान-पान होता है। बाहर का खाना उतनी सफाई से नहीं बना होता है। उसमें कई प्रकार के कीटाणु होते हैं जो पेट में पहुंचकर संक्रमण फैलाते हैं। बाहर का खाना अच्छे से नहीं पचता है, जिसके कारण कब्ज, एसिडिटी, पेट मरोड़ना, उल्टियां, डायरिया, बुखार जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बाहर का खाना खाने से ही फूड प्वाइजनिंग होती है।

शरीर कमजोर होना- बाहर के खाने में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखा जाता है जिसके कारण शरीर को भरपूर मात्रा में पोषक तत्व नीं मिल पाते हैं जिसके कारण शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। गर्मियों के मौसम में लगातार बाहर खाने से शरीर में थकान और आलस शुरू हो जाता है। शरीर कमजोर और सुस्त पड़ने लगता है।

मोटापा बढना- बाहर का खाना ज्यादा तैलीय होता है। इसके अलावा बाहर के खाने में वसा की मात्रा ज्यादा होती है जिसके कारण मोटापा बढता है। गर्मियों के मौसम में खाने के साथ सलाद ज्यादा मात्रा में प्रयोग करना चहिए, लेकिन बाहर के खाने में सलाद की मात्रा कम होती है जिसके कारण मोटापा की समस्या शुरू होने लगती है।

सामान्य बीमारियां- गर्मियों के मौसम में खाने की गुणवत्ता पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जाता है। अशुद्ध खाना होने के कारण कई बीमारियां शुरू हो जाती हैं। बाहर के खाने से कई सामान्य रोग जैसे- उल्टी, दस्त, पेचिश, बुखार होने शुरू हो जाते हैं। इसके अलावा कई दिनों तक बाहर का खाना खाने से कैंसर, डायबिटीज जैसी भयानक रोग भी होने लगते हैं।हर मौसम में बाहर खाने से हमेशा बचना चाहिए और अगर गर्मी का महीना हो तब तो बाहर का खाना खाने से बिल्कुल ही बचना चाहिए। बाहर के खाने में घर के खाने जैसी गुणवत्ता और साफ- सफाई नहीं होती है। बाहर का खाना खाकर आप कई दिनों तक बीमार रह सकते हैं। इसलिए ज्यादातर घर का ही खाना खाने की कोशिश कीजिए।

फायदेमंद है केले का सेवन

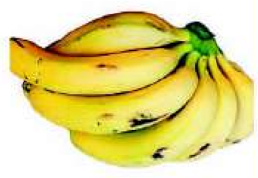

केला स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। रोज एक केला खाना तन-मन को तंदुरुस्त रखता है। केला शुगर और फाइबर का बेहतरीन स्रोत होता है। केले में थाइमिन, नियासिन और फॉलिक एसिड के रूप में विटामिन ए और बी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। साथ ही इसमें पानी की मात्रा 64.3 प्रतिशत, प्रोटीन 1.3 प्रतिशत, कार्बोहाईड्रेट 24.7 प्रतिशत तथा चिकनाई 8.3 प्रतिशत होती है।

अवसाद को करें इस तरह दूर

अगर आप अवसाद से पीड़ित हैं, तो आपको थकान, लाचारी, और नाउम्मीदी का एहसास हो सकता है। लेकिन यह जानना बेहद जरूरी है कि ये सारी मनोदशाएं अवसाद का हिस्सा हैं और ये सही स्थिति को ठीक ढंग से नहीं दर्शाते हैं। जैसे जैसे आप अपने अवसाद को पहचानने लग जाएंगे और उपचार की शुरूआत कर देंगे, तब नकारात्मक विचार गायब होते चले जाएंगे।

गर्मी में कीड़ों से
कैसे बचाएं बच्चे को

गर्मी का मौसम मस्ती और छुट्टियां बिताने के साथ-साथ कई बीमारियों को लेकर भी आता है। इस मौसम में कई प्रकार के कीड़े होते हैं जो आपके बच्चे को संक्रमित कर सकते हैं। बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है ऐसे में अगर कोई कीड़ा या मच्छर उन्हें काट ले तो संक्रमण होने की संभावना अधिक होती है। मच्छरों के काटने से डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां भी हो सकती हैं। तो इस गर्मी अपने बच्चों को कीड़ों से बचाएं और अपनी छुट्टियों का भरपूर मजा उठाएं। गर्मी के मौसम में बच्चों को कीड़ों से बचाने के बारे में विस्तार से जानिए।

इकट्ठा पानी

अगर आपके घर के अंदर या आसपास कोई ऐसी जगह है जहां का पानी रूका हुआ हो तो उसके कारण कीड़े खासकर मच्छर होने की संभावना अधिक होती है। इससे पहले कि वह जगह आपके बच्चे के लिए बीमारियां और संक्रमण लेकर आए, ऐसी जगह खोजकर रूके हुए पानी को तुरंत साफ कीजिए।

कूलर साफ कीजिए

अगर आप कूलर का प्रयोग कर रहे हैं तो प्रत्येक सप्ताह उसका पानी साफ कीजिए। क्योंकि कूलर के पानी में कीड़ों के पनपने की भी संभावना बहुत अधिक होती है। इसलिए प्रत्येक सप्ताह कूलर का पानी अवश्य बदलें।

कीटाणु रहित घर

गर्मी के मौसम में कीटाणु केवल घर में नहीं पनपते हैं बल्कि बाहर से भी आते हैं। अगर आपके घर की खिड़की में जाली नहीं लगी तो तुरंत जाली लगवाएं, अगर कोई कांच की खिड़की है और वो टूट गई है तो कोताही बिल्कुल न बरतें और उसे तुरंत बदलें, क्योंकि इससे कीड़े आपके घर में घुस सकते हैं।

घर के आसपास

घर के आसपास की सफाई का भी ध्यान दीजिए। अगर घर के आसपास कहीं गंदगी है तो उसे साफ करवाएं, अगर कहीं पानी रूका है तो उसे साफ कीजिए।

समय का ध्यान

कीड़ों के बाहर निकलने का एक निश्चित समय हो सकता है, उसका ध्यान रखें। सुबह के वक्त और शाम को अंधेरा होने के बाद कीड़ों के फैलने की संभावना अधिक होती है, उस समय अपने बच्चे को घर से बाहर निकलने न दें।

कीटाणुरोधी दवा

बाजार में कई प्रकार के एंटी-इंसेक्ट दवायें आती हैं। जब भी बाहर बच्चों के साथ निकलें उनकी त्वचा पर इन दवाओं का प्रयोग कीजिए। इससे बच्चों को कीटाणु नहीं काटेंगे।

कपड़े का ध्यान

बच्चों जब भी बाहर निकलें उनके कपड़ों का ध्यान रखें। बच्चों पूरी बांह की शर्ट और फुल पैंट पहनाएं। इससे उनका पूरा शरीर ढका होगा और कीड़े नहीं काटेंगे। त्वचा में संक्रमण फैल गया है तो चिकित्सक की सलाह अवश्य लीजिए।

दिमाग को सक्रिय करता मोबाइल

अक्सर आपने युवाओं को फोन से चिपके देखा होगा। उन्हें देखते ही आपके मन में एक ही ख्याल आता है कि बहुत ज्यादा मोबाइल फोन पर चिपके रहने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन आपको बता दें कि आपकी ये धारणा गलत है। हाल ही में अमेरिका के नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने कुछ दिलचस्प तथ्यों को खोज निकाला है।

दिमाग की सक्रियता बढ़ाता फोन

शरीर को नुकसान पहुंचाने वाला मोबाइल फोन दरअसल दिमाग को अलग-अलग रूपों में प्रभावित करता है। अध्ययन के अनुसार, जो लोग मोबाइल से लंबे समय तक बात करते रहते हैं उनके दिमाग अधिक सक्रिय हो जाता है। इस बात को पुख्ता करने के लिए 47 वर्ष तक के लोगों पर लगभग एक साल तक परीक्षण किया गया। मोबाइल को प्रतिभागियों के दोनों कानों पर कुछ-कुछ समय के लिए प्रयोग करवाया गया। बारी-बारी से दोनों साइड्स पर 50-50 मिनट मोबाइल का प्रयोग करवाया गया। इनमें से कुछ ऐसे प्रतिभागी भी थे जो मोबाइल फोन का प्रयोग करना नहीं जानते थे।

क्या कहता है शोध

ये शोध के परिणाम पीईटी (पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी) के द्वारा जांचे गए। जिसमें पाया गया कि मनुष्य के दायी तरफ टेम्पोनरल पोल के मोबाइल के एंटीना के संपर्क में आते ही ओरबिटोफ्रंटल कॉरटेक्स में 7 फीसदी ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। हालांकि ये अभी तक साबित नहीं हुआ है कि ग्लूकोज का बढ़ना खतरनाक है या नहीं। प्रमाणित सबूतों में ये बात साफ जाहिर है कि ग्लूकोज मोबाइल एंटीना का टेम्पोपरल पोल के संपर्क में आते ही बढ़ता है। ड्यूक चिकित्सा केंद्र के जैविक मनोचिकित्सक मुरली दुरईस्वामी का कहना है कि मनुष्य में बढ़ने वाले इस ग्लूकोज से फायदा पहुंचता है या नहीं लेकिन इसका नुकसान कुछ नहीं होता।

डिप्रेशन के दौरान स्वयं बदलें अपनी मानसिक हालत

थोड़े से बदलाव से पाएं बड़ी राहत

वर्तमान समय में डिप्रेशन का दायरा सभी उम्र वर्ग में फैलता जा रहा है। बच्चों युवाओं और बुजुर्गों तक में यह बीमारी घर कर चुकी है डिप्रेशन के कारण न तो कोई काम ठीक से हो पाता है और ना ही कोई सुख मिल पाता है। डिप्रेशन से बाहर आने के लिए के लिए किए कुछ ऐसे काम हैं जो मददगार साबित होते हैं। इनसे उदासी दूर होती है और मन प्रसन्न होता है...

डिप्रेशन सिर्फ बीमारी नहीं है और न ही दिमागी फितूर। यह एक ऐसी मानसिक हालत है, जिसमें पॉजिटिव सोचने और बेहतर रिजल्ट तक पहुंचने की इंसान की कैपैसिटी कम हो जाती है। वक्त पर इलाज और करीबियों का साथ इस बीमारी से निपटने में अहम भूमिका निभाता है। उलझे सवाल, निराश करने वाले जवाब और अनिश्चितता किसी इंसान को उस मोड़ पर ले जाती है, जहां उम्मीदें काफी बेहद कम नजर आती हैं। जब स्थिति नाजुक मोड़ पर पहुंच जाती है तो नतीजे खतरनाक हो जाते हैं। जरूरत है तो इस पर वक्त रहते ध्यान देने और सही इलाज की।

डॉक्टर पर न रहें निर्भर

ज्ञान ही शक्ति है। सिर्फ डॉक्टर पर निर्भर न रहें। किताबों, इंटरनेट आदि से अवसाद के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानें। इससे आप अपनी स्थिति का ठीक-ठीक अहसास होगा और उचित उपचार ले सकेंगे। साथ ही नित नई जानकारी पा आप खुद को मानसिक रूप में तरोताजा भी रख पाएंगे।

चीनी आर्ट भी फायदेमंद

यदि आप चाहें तो चीनी मार्शल आर्ट ताई ची का अभ्यास कर सकते हैं। यह धीरे, तालबद्ध और हल्के तरीक से शारीरिक मुद्राएं बनाने का व्यायाम है। इस आर्ट की जानकारी यूट्यूब पर मिल सकती है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ जाता है।

वॉक के साथ योग

दस मिनट की वॉक आपका मूड लंबे समय के लिए सुधार देती है। लय व ताल वाले व्यायाम जैसे तैरना, नृत्य, योग, साइकलिंग करें। लय-ताल से इनमें ध्यान का तत्व भी जुड़ जाता है। सुबह की गई वॉक मन को और भी ज्यादा प्रसन्नचित्त करती है और अच्छी शुरुआत पूरे दिन को बेहतर बनाती है।

...तो कभी कम नहीं हो सकता मोटापा

मोटापा एक ऐसी बीमारी है,जिसे नियंत्रण करना बहुत ही मुश्किल काम है। आज हर 5 में से 3 शख्स इस बीमारी की चपेट में हैं। हालांकि मोटापे का शिकार होने का जिम्मेदार इंसान खुद ही है। जंक फूड, अनियमित भोजन, तनाव और पूरी नींद न लेना ही वजन बढ़ने का मुख्य कारण है। वहीं मोटापा कई और बीमारियों की जड़ भी बनती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह से अपने मोटापे पर काबू पा सकत हैं।

सिर्फ सोचने से नहीं चलेगा काम...

मोटापे का शिकार हर शख्स यहीं सोचता है कि अब कुछ भी हो जाए वह कल अपनी डाइटिंग और एक्सरसाइज की तरफ ध्यान देगा, लेकिन कुछ गंदी आदतें ऐसी हैं जो उसे पतला होने नहीं देती। अगर आप अपने खाने-पीने पर कंट्रोल नहीं करते हैं, तो आप लाख कोशिश कर लें, आप कभी भी पतले नहीं हो सकते।

रोज शराब पीने की लत को सुधारें

डिनर के साथ जो लोग शराब पीते हैं। उनके पेट में तो सीधे तौर पर शक?कर जा रही है, जो उन्?हें कभी पतला नहीं होने देगी। वहीं, अगर आप अपनी इस आदत को थोड़ा काबू कर लें और कुछ दिनों में केवल एक बार शराब का सेवन करें तो आपका मोटापा तेजी से घटेगा।

रोज व्यायाम करने का प्रयास करें: अगर आप अपने शरीर को लगातार काम नहीं करवा रहे हैं और खाकर सोफे पर पड़े रहते हैं, तो आप कभी पतले नहीं हो सकते। बॉडी फैट को घटाने के लिए शरीर को वर्कआउट करवाएं और खूब पसीना बहाएं। इससे आपका वेट अपने आप कम होगा। शरीर से पसीने के रास्ते कई बीमारियां भी निकल जाती हैं।

मीठा खाने की आदत पर करें कंट्रोल

बात चाहें ब्रेकफास्ट की हो, पैक दही की या चाय कॉफी की, आपको हर किसी चीज में शुगर यानी मीठे की माता तो मिल ही जाएगी जो शरीर में इक्ट्ठी होकर चर्बी का रूप ले लेती है इसलिए बाजार से कोई भी चीज खरीदने से पहले लेबल पर उसके शुगर कंटेंट के बारे में पढ़ लें।

डेली डेजर्ट न खाएं

लोगों को इतना मीठा खाने की आदत पड़ चुकी है उन्हें रोज खाना खाने के बाद कुछ मीठा चाहिए, लेकिन डेजर्ट में काफी गुना शुगर होती है, जिसको रात में खाने से मोटापा काफी तेजी से बढ़ता है।

ज्यादा खाने से करें परहेज

बहुत सारे लोगों को ऑफिस या फ्री टाइम में बैठकर कुछ न कुछ खाने की आदत होती हैं। अगर आप भी यहीं कुछ करते हैं, तो आपका पेट कभी कम नहीं होगा। पैकेट बंद स्नैक्स में काफी मात्रा में सोडियम, कार्बोहाइड्रेट् और शुगर होते हैं।

रेसिपी

ब्लेक बीन दाल

सामग्री

1 कप ब्लैक बीन, रात भर भिगोए और छाने हुए, नमक, स्वाद अनुसार, चुटकी भर सोडा बाई-कर्ब, 1 स्पून तेल, 1 स्पून जीरा, 1 स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1/2 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप कटा हुआ टमाटर, नमक स्वाद अनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी, 2 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया,1 टेबल-स्पून फ्रेश क्रीम

विधि

एक प्रेशर कुकर में ब्लेक बिन, नमक, सोडा बाई-कर्ब और 2 कप पानी डालिए और 3 सिटी आने तक पकाइए। ढक्कन खोलने से पहले भांप को निकल जाने दीजिए। पानी निकाले बिना एक तरफ रख दीजिए। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए और उसमे जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालिए और मध्यम आंच पर 30 सेकंड्स भूनिए। उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 मिनट भूनिए। उसमे टमाटर, नमक, लाल मिर्च का पाउडर, हल्दी, धनिया-जीरा पाउडर और 1 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे पकी हुई दाल (पानी के साथ) डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर ओर 2 से 3 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे धनिया और फ्रेश क्रीम डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर ओर 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। एक टहनी धनिए से सजाकर गरमा गरम परोसिए।

ब्रिंजल रसवान्गी

सामग्री

पेस्ट के लिए (लगभग 1/2 कप बनाए): 1 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 2 कश्मीरी लाल मिर्च, तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1/3 कप ताज़ा कसा हुआ नारियल, 1/2 टी-स्पून हींग। **अन्य सामग्री:** 1/2 कप तुवर दाल, 2 टी-स्पून घी या नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप कटे हुए टमाटर, 2 मध्यम बैंगन, चार टुकड़ों में कटे हुए, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 2 टी-स्पून साम्भर मसाला (ऐच्छिक), 1 कप इमली का पानी, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ गुड़, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, सजाने के लिए

विधि

पेस्ट के लिए: एक छोटे पैन में तेल गरम करें, सभी सामग्री डालकर धिमी आंच पर, लगातार हिलाते हुए, इनमें से खुशबु आने तक भुन लें (लगभग 5 से 7 मिनट के लिए)। ठंडा करने के बाद, 2 टेबल-स्पून पानी मिलाकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** तुवर दाल और 1 कप पानी को मिलाकर 3 से 4 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। दाल को हल्के हाथों फेंट कर एक तरफ रख दें। कढ़ाई में घी गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हरी मिर्च, कड़ी पत्ता, टमाटर, बैंगन और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 2 मिनट तक भुन लें। हल्दी पाउडर, साम्भर मसाला, इमली का पनी और गुड़ डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढककर मध्यम आंच पर बैंगन के नरम होने तक, बीच में हिलाते हुए पका लें। पकी हुई दाल और तैयार पेस्ट डालकर हल्के हाथों मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, धिमी आंच पर और 5 से 7 मिनट तक पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**